वर्ष : 33 ⏩ अंक : 346 ⏩ पृष्ठ : 8 ⏩ मुंबई, सोमवार, 3 मार्च 2025 ⏩ RNI: MAHHIN/49994/91 ⏩ मूल्य : 3 रुपए ⏩ epaper.dobajedopahar.com ⏩ संपादक : अरुण लाल

60 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन, 8 की मौत, सेना ने बचाईं 46 जिंदगियां

▸ पेज - 8

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

हर फिल्म के साथ कुछ नया सीखने की कोशिश करती हूं: भूमि पेडनेकर

▸ पेज - 7

भारत की शानदार जीत: न्यूजीलैंड को 44 रनों से हराकर सेमीफाइनल में पहुंचा

- कीवी टीम 250 रन के लक्ष्य के जवाब में 205 रन पर ढेर

एजेंसी । दुबई

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने न्यूजीलैंड को लीग स्टेज के अपने आखिरी मुकाबले में 44 रनों से रौंद दिया। भारतीय टीम इस जीत के साथ ही ग्रुप ए से अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है और अब उसका सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से सामना होगा। भारत 4 मार्च को सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा। भारत से मिले 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 49 के स्कोर पर ही दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गंवा दिए थे। लेकिन इसके बाद केन विलियमसन ने एक छोर संभाला। केन विलियमसन ने डेरेल मिशेल के साथ तीसरे विकेट के लिए 44, टॉम लैथम के साथ चौथे विकेट के लिए 40 रनों की साझेदारी कर टीम को रन चेज में बनाए रखा। हालांकि, वरुण चक्रवर्ती की अगुवाई में भारतीय स्पिनर ने लगातार अंतराल पर विकेट झटके और न्यूजीलैंड को 205 रनों पर समेट दिया।

न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज केन विलियमसन रहे, जिन्होंने 81 रनों की पारी खेली, जबकि मिचेल सैंटनर ने 28 रन बनाए। वहीं भारत के लिए वरुण चक्रवर्ती ने 10 ओवरों में 42 रन देकर 5 विकेट हासिल किए। जबकि कुलदीप यादव के खाते में दो सफलता आई। इसेस पहले श्रेयस अय्यर, हार्दिक पंड्या और अक्षर पटेल की अहम पारियों की बदौलत भारत ने रविवार को चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के ग्रुप ए मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट पर 249 रन बनाए। दुबई के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतनी टीम इंडिया की शुरुआत खराब रही थी और उसने 6.4 ओवर में 30 रन पर शुभमन गिल, रोहित शर्मा और विराट कोहली के विकेट गंवा दिए थे।

अय्यर-अक्षर की महत्वपूर्ण साझेदारी

इसके बाद अय्यर (79) और अक्षर पटेल (42) ने चौथे विकेट के लिए 98 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी करके भारत को वापसी कराई। हालांकि, ब्लैककैप्स ने अक्षर के विकेट के साथ मैच पर फिर से कंट्रोल हासिल किया और उसके बाद लगातार अंतराल पर भारत को झटके दिए। हार्दिक पंड्या ने अंत में 45 रन बनाए, लेकिन वह भी भारत को 250 तक नहीं ले जा सके। ब्लैककैप के लिए मैट हेनरी ने 42 रन देकर 5 विकेट लिए।

इस प्लेइंग इलेवन के साथ उतरी थी दोनों टीमें

भारत प्लेइंग इलेवन: रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रवींद्र जड़ेजा, मोहम्मद शमी, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती

न्यूजीलैंड प्लेइंग इलेवन: विल यंग, रचिन रवींद्र, केन विलियमसन, डेरिल मिशेल, टॉम लैथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), मैट हेनरी, काइल जैमीसन, विलियम ओ'रूर्के

प्रचंड बहुमत के बावजूद फडणवीस के लिए चुनौतीपूर्ण होगा बजट सत्र

आज से महाराष्ट्र का बजट सत्र शुरू

अमित बृज । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र आज से शुरू हो रहा है, जिसमें विपक्ष सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है। सत्ता पक्ष के लिए यह सत्र आसान नहीं होगा, क्योंकि एक ओर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच मतभेद की खबरें हैं, तो दूसरी ओर, मंत्री धनंजय मुंडे और माणिकराव कोकाटे पर लगे गंभीर आरोप सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं।

10 मार्च को पेश होगा बजट

सत्र के दौरान 2025-26 का बजट 10 मार्च को पेश किया जाएगा। यह दिन खास होने वाला है, क्योंकि फडणवीस सरकार के 100 दिन भी पूरे हो रहे हैं। यह सरकार का पहला पूर्ण बजट सत्र होगा, क्योंकि इससे पहले नागपुर में आयोजित शीतकालीन सत्र बिना मंत्रियों के शपथ ग्रहण के ही संपन्न हुआ था।

आरोपों में घिरे मंत्री धनंजय मुंडे और कोकाटे को लेकर सरकार को घेरने की विपक्ष की होगी कोशिश

सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा

बजट सत्र की तैयारियों को लेकर विधानभवन में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक में विधान परिषद के सभापति प्रो. राम शिंदे, विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर, उपसभापति डॉ. नीलम गोर्हे, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल रहे। पुलिस को विधानभवन परिसर में भीड़ नियंत्रण के निर्देश दिए गए हैं।

संख्या बल में पिछड़ा विपक्ष

महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों में से महायुति सरकार के पास 232 विधायक हैं, जबकि विपक्ष के पास केवल 46 विधायक हैं, जो खुद भी एकजुट नहीं हैं। विपक्षी दलों में इतनी संख्या भी नहीं है कि वे विरोधी पक्ष नेता का पद हासिल कर सकें, जिसके लिए कम से कम 29 विधायकों की जरूरत होती है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या बीजेपी इस पद को विपक्ष को देने के लिए तैयार होगी।

26 मार्च तक चलेगा सत्र

महायुति सरकार का पहला बजट सत्र 3 मार्च से 26 मार्च 2025 तक चलेगा और इसका आयोजन मुंबई में किया जाएगा।

विपक्ष हमलावर, लेकिन कमजोर

महायुति सरकार के खिलाफ विपक्ष के पास कई मुद्दे हैं, लेकिन उसकी कमजोर स्थिति और असंगठित रणनीति सरकार के लिए राहत बन सकती है। धनंजय मुंडे पर बीड़ के सरपंच हत्याकांड में संलिप्तता का आरोप है, जिसे लेकर सरकार के ही सहयोगी दल के विधायक सवाल उठा रहे हैं। माणिकराव कोकाटे को नासिक जिला कोर्ट से सजा सुनाई गई है, हालांकि उन्होंने ऊपरी अदालत में अपील की है। लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को अब तक 1500 रुपये नहीं मिले, जबकि सरकार ने इसे बढ़ाकर 2100 करने का वादा किया था। किसान फसल योजना घोटाले में भी धनंजय मुंडे का नाम सामने आया है। पुणे बलात्कार कांड, एमएमआरडी घोटाला, एसआरए भ्रष्टाचार, और राज्य की कानून व्यवस्था जैसे मुद्दों पर भी विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी में है।

आर्थिक संकट और अधूरे वादे

विधानसभा चुनावों में महायुति सरकार ने लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को दी जाने वाली राशि 1500 से बढ़ाकर 2100 करने का वादा किया था। हालांकि, सरकार की वित्तीय स्थिति कमजोर है, जिससे कर्मचारियों के वेतन के लिए भी कर्ज लेना पड़ रहा है। पिछले बजट में आवंटित फंड का केवल 43% खर्च हुआ था। चुनाव से पहले सरकार ने लाडली बहनों को एडवांस भुगतान किया, लेकिन फरवरी खत्म होने के बाद भी अब तक पैसा नहीं दिया गया है। इस बजट में वित्त मंत्री योजना के लिए कितनी राशि का प्रावधान करेंगे, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

नितेश राणे के बयान पर शिवसेना यूबीटी ने भेजा नोटिस

- विनायक राउत की तरफ से भेजा गया मंत्री को नोटिस

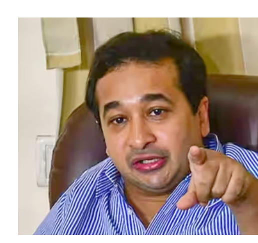

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता नितेश राणे को लेकर नया विवाद खड़ा हो सकता है। नितेश राणे के एक बयान पर उद्धव ठाकरे की पार्टी ने कानूनी नोटिस भेजी है। यह नोटिस शिवसेना नेता एवं पूर्व सांसद विनायक राउत के वकील असीम सरोदे की तरफ से भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि नितेश राणे संविधान के अनुच्छेद 164(3) के अनुसार मंत्री पद की शपथ लेते समय अपने संवैधानिक कर्तव्य का पालन नहीं कर रहे हैं, जो उन्हें निभाना चाहिए। मत्स्य पालन एवं बंदरगाह विकास मंत्री राणे ने 13 फरवरी को सिंधुदुर्ग जिले के कुडाल में बीजेपी की रैली का आयोजन किया। इस सभा में बोलते हुए उन्होंने कहा कि मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आने वाले दिनों में चाहे जिला योजना निधि हो, पार्टी निधि हो या कोई भी सरकारी निधि हो, वह केवल महायुति के कार्यकर्ताओं को ही मिलेगी, किसी और को नहीं।

राणे के बयान पर विवाद

राणे ने यह भी कहा कि मैं आपको पहले ही बता रहा हूं कि मैं उन गांवों को एक भी रुपया नहीं दूंगा जहां सरपंच या उद्धव बालसाहेब ठाकरे (UBT) और महाविकास अघाड़ी के पदाधिकारी हैं। अगर किसी को गांव का विकास करना है तो महायुति में शामिल होकर ही काम करना होगा, अन्यथा विकास नहीं होगा। विनायक राउत के वकील एडवोकेट ने बताया कि यह नोटिस इसलिए भेजा गया है क्योंकि एक मंत्री द्वारा इस तरह का भेदभावपूर्ण और घृणास्पद बयान देना असंवैधानिक है और यह संविधान और लोगों का अपमान है।

राज्यपाल तक जाने की तैयारी

विनायक राउत खेमे के अनुसार क्या नितेश राणे असंवैधानिक तरीके से कार्य कर रहे हैं? क्योंकि वह संविधान के अनुच्छेद 164(3) के तहत राज्यपाल द्वारा दिलाई गई पद की शपथ का उल्लंघन कर रहे हैं। इसलिए नोटिस में यह भी कहा गया है कि राज्यपाल से अनुरोध किया जाएगा कि वे नितेश राणे को मंत्री के रूप में न बनाए रखने का निर्णय लें, जिन्होंने बीजेपी सदस्यों और भाजपा के साथ-साथ अन्य दलों के मतदाताओं के साथ भेदभाव करके और भाजपा विरोधियों तथा महा विकास अघाड़ी (MVA) के सदस्यों को विकास निधि न देने की धमकी देकर भेदभाव और असमानता पैदा की है।

पूर्व SEBI चीफ माधबी पुरी बुच की मुश्किलें बढ़ीं, कोर्ट ने दिए FIR दर्ज करने के निर्देश

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की स्पेशल एंटी-करप्शन कोर्ट ने शनिवार को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच समेत SEBI और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) के शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ कथित स्टॉक मार्केट घोटाले और नियामक उल्लंघनों के मामले में FIR दर्ज करने का आदेश दिया है। विशेष न्यायाधीश एसई बंगर ने ये आदेश ठाणे के पत्रकार

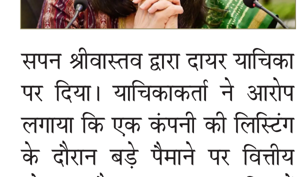

सपन श्रीवास्तव द्वारा दायर याचिका पर दिया। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि एक कंपनी की लिस्टिंग के दौरान बड़े पैमाने पर वित्तीय घोटाला और भ्रष्टाचार हुआ, जिसमें SEBI के अधिकारियों की भूमिका भी संदिग्ध है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि SEBI अधिकारियों ने अपनी कानूनी जिम्मेदारी का पालन नहीं किया, बाजार में हेरफेर की अनुमति दी और ऐसी कंपनी को लिस्टिंग की मंजूरी दी, जो तय मानकों को पूरा नहीं करती थी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि SEBI अधिकारियों ने ऐसी कंपनी को लिस्टिंग की इजाजत दी, जो नियामक मानकों को पूरा नहीं करती थी, जिससे बाजार में हेरफेर हुआ और निवेशकों को नुकसान उठाना पड़ा।

अंबेडकर यूनिवर्सिटी की घटना पर SFI के आरोप निराधार

एजेंसी । नई दिल्ली

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा लगाए गए आरोपों की कड़ी निंदा की है। उनका कहना है कि अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली में घटित घटनाओं को लेकर लगाए गए आरोप पूरी तरह से निराधार और राजनैतिक उद्देश्य से प्रेरित है। ABVP ने विश्वविद्यालय प्रशासन से इन घटनाओं के दोषियों पर सख्त कार्रवाई के लिए समिति के गठन की मांग की है। एबीवीपी की ओर से विश्वविद्यालय प्रशासन से निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के लिए प्रॉक्टोरियल समिति के गठन की मांग की गई है। एबीवीपी का स्पष्ट मत है कि ये आरोप संगठन की छवि को धूमिल करने और छात्र समुदाय को भ्रमित करने के लिए एक सुनियोजित षड्यंत्र का हिस्सा हैं। इसके खिलाफ शिकायत दर्ज कर ऐसे झूठ और अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों पर उचित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। छात्र संगठन का कहना है कि, 'एबीवीपी इन आरोपों का पूरी तरह से खंडन करता है और दोहराया है कि संगठन के कार्यकर्ताओं का पूर्वोत्तर के छात्रों पर कथित हमले, कश्मीरी गेट परिसर में एक क्वीयर छात्र के खिलाफ हिंसा और बीए ग्लोबल स्टडीज की कक्षा में एक छात्रा को डराने-धमकाने की घटनाओं से कोई संबंध नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में आतंक पर कसा शिकंजा

- POK के तीन टेररिस्ट की संपत्ति हुई कुर्क

एजेंसी । जम्मू-कश्मीर

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने रविवार को पुंछ जिले में आतंकियों की 14।8 कनाल जमीन को कुर्क कर लिया है जिसकी कीमत 28 लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है। यह संपत्ति पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में सक्रिय तीन आतंकियों की है। पुलिस के इस कदम को केंद्रशासित प्रदेश में आतंकवाद के इकोसिस्टम को खत्म करने की दिशा में एक बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि जिन आतंकियों की संपत्ति कुर्क की गई है, उनमें नजब दीन (गांव किरणी),

मोहम्मद लतीफ (गांव किरणी), मोहम्मद बशीर उर्फ 'टिक्का खान' शामिल है। ये तीनों आतंकी पहले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) भाग गए थे और वहां से आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस के मुताबिक, ये आतंकी जम्मू-कश्मीर में अशांति फैलाने, आतंकवाद को बढ़ावा देने और सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने में लिप्त रहे हैं।

'महाराष्ट्र में जंगलराज'

केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे की बेटी से छेड़खानी

- कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने फडणवीस के इस्तीफे की मांग की

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/जलगांव

पिछले कुछ महीनों से महाराष्ट्र की अलग-अलग जगहों पर लगातार अपराध और दुष्कर्म की वारदातें सामने आ रही हैं। वो चाहे बदलापुर हो, पुणे या अन्य क्षेत्रों की बात हो। ऐसी घटनाओं से राज्य में आम आदमी के अंदर असुरक्षा की भावना पनप रही है। जलगांव से केंद्रीय मंत्री की बेटी और उसकी सहेलियों के साथ छेड़खानी ऐसे बड़ी वारदात है। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर महायुति (भाजपा-शिवसेना और एनसीपी) सरकार का घेराव किया है। गृह विभाग खुद सीएम फडणवीस के

पास होने का जिक्र करते हुए कांग्रेस ने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाले लोगों को महायुति का संरक्षण हासिल है। राज्य में जंगलराज है।

यह घटिया हरकत : फडणवीस

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रतिक्रिया दी है। फडणवीस ने रायगढ़ के महाड में कहा कि आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा। फडणवीस ने कहा कि कुछ पार्टी पदाधिकारी हैं जिन्होंने ऐसा किया है। यह घटिया हरकत है, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। उन्हें माफ नहीं किया जा सकता और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'गृह विभाग छोड़ें सीएम फडणवीस'

बकौल सपकाल, सीएम फडणवीस खुद गृह विभाग संभालते हैं, लेकिन सुरक्षा गार्डों की मौजूदगी में केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़छाड़ गंभीर मामला है। राज्य में माताओं और बहनों की सुरक्षा के लिए फडणवीस को गृह विभाग छोड़ना चाहिए। महायुति सरकार को महाराष्ट्र में एक पूर्णकालिक और सक्षम गृह मंत्री बनाना चाहिए।

'कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है'

इस मामले में सीएम फडणवीस ने कहा कि आरोपी एक राजनीतिक दल से जुड़े हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि दोषी किसी भी हाल में बख्शे नहीं जाएंगे। पूरे घटनाक्रम पर महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख हर्षवर्धन सपकाल ने कहा, जलगांव की घटना दिखाती है कि राज्य की कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। महिलाएं और लड़कियां असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्री खडसे की बेटी के साथ गुंडों द्वारा छेड़छाड़ और सुरक्षा गार्डों को धक्का दिए जाने की घटना बेहद चिंताजनक है... अगर केंद्रीय मंत्री की बेटी असुरक्षित है, तो आम नागरिकों की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

कांग्रेस नेता बोले- महायुति सरकार को खुद केंद्रीय मंत्री ने आईना दिखाया

सपकाल के अलावा प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वाडेट्टीवार ने भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा, पुलिस सुरक्षा में खडसे की बेटी के साथ छेड़छाड़ की खबर चिंताजनक है... आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने के लिए खुद मंत्री को थाने जाना पड़ा... राज्य में पुलिस का अब कोई डर नहीं है क्योंकि गैंगस्टरों को महायुति का संरक्षण प्राप्त है। महायुति सरकार को उसके केंद्रीय मंत्री ने आईना दिखाया है।

शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट की एकनाथ शिंदे गुट से झड़प

आनंद आश्रम के सामने जमकर हंगामा

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के नेताओं की आज ठाणे में बैठक आयोजित की गई है। सांसद संजय राउत, सांसद अरविंद सावंत, पूर्व सांसद विनायक राउत, पूर्व सांसद राजन विचारे सहित ठाकरे गुट के कार्यकर्ता ठाणे पहुंच चुके हैं। संजय राउत अपने कार्यकर्ताओं के साथ दिवंगत नेता आनंद दिघे के आनंद आश्रम के बाहर पहुंचे। उसी समय उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के सैकड़ों कार्यकर्ता भी आनंद आश्रम के बाहर एकत्र हुए। इस दौरान दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी की। शिंदे के कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की और संजय राउत का विरोध किया।

ठाणे में कैसा माहौल?

ठाणे में राजनीतिक माहौल बेहद गर्म है। ठाकरे गुट के नेताओं ने महाराष्ट्र का दौरा शुरू कर दिया है। यह यात्रा ठाणे से शुरू हुई है। संजय राउत के नेतृत्व में ठाकरे गुट के नेताओं की बैठक आज ठाणे में होगी। इससे पहले ठाकरे गुट के नेताओं और पदाधिकारियों ने ठाणे में प्रवेश करते ही आनंद दिघे का स्वागत किया। जब संजय राउत आनंद दिघे का स्वागत करने आनंद आश्रम परिसर पहुंचे तो दोनों गुट आमने-सामने आ गए। दोनों समूहों के कार्यकर्ता सचमुच एक-दूसरे की ओर दौड़ पड़े। ठाणे के एमकेटी कॉलेज के सभागार में ठाकरे गुट के नेताओं की एक बैठक आयोजित की गई है। इससे पहले शिवसेना के दोनों गुटों के बीच बड़ी लड़ाई हुई थी। एकनाथ शिंदे की शिवसेना कार्यकर्ताओं ने संजय राउत का कड़ा विरोध किया। शिंदे गुट के कार्यकर्ताओं ने संजय राउत के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। इसके बाद ठाकरे गुट द्वारा एकनाथ शिंदे के खिलाफ नारे भी लगाए गए। इस बीच, सांसद संजय राउत और अरविंद सावंत ने शिंदे गुट के विरोध की आलोचना की। उन्होंने जवाब दिया कि चाहे वे कितना भी विरोध करें, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

15 साल के प्रेम संबंध में धोखा मिलने पर प्रेमिका ने की आत्महत्या

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे में 35 वर्षीय महिला ने 15 साल के प्रेम संबंध में धोखा मिलने पर आत्महत्या कर ली। आरोपी युवक ने शादी का वादा किया था लेकिन परिवार के दबाव में दूसरी शादी कर ली। विवादों के बाद 28 फरवरी को महिला ने फांसी लगा ली। पुलिस ने वीडियो संदेश के आधार पर युवक और उसके भाई-बहन को गिरफ्तार किया है। ठाणे जिले में एक युवती को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति और उसके दो भाइयों-बहनों को गिरफ्तार किया है। यह मामला तब सामने आया जब 35 वर्षीय अविवाहित पीड़िता ने अपने प्रेमी द्वारा बार-बार किए गए वादाखिलाफी और मानसिक उत्पीड़न से तंग आकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

15 साल का रिश्ता, फिर भी शादी से इनकार

कल्याण तालुका पुलिस थाने के इंस्पेक्टर सुरेश कदम ने बताया कि पीड़िता ठाणे जिले के टिटवाला कस्बे के म्हारल क्षेत्र की निवासी थी। उसका प्रेम संबंध उल्हासनगर में रहने वाले एक युवक से पिछले 15 वर्षों से था। आरोपी युवक अक्सर पीड़िता के घर आता-जाता था और उसने उससे शादी करने का वादा किया था। हालांकि, वह हर बार कोई न कोई बहाना बनाकर शादी से पीछे हटता रहा। इस वजह से दोनों के बीच आए दिन विवाद होता था। आरोपी युवक के भाई और बहन ने पीड़िता को बार-बार समझाया कि वह उसके साथ रिश्ता खत्म कर दे, क्योंकि वे उसे किसी और लड़की से शादी करवाना चाहते थे। पांच साल पहले युवक ने अपने परिवार की मर्जी से दूसरी महिला से शादी कर ली, लेकिन इसके बावजूद वह पीड़िता के साथ संबंध बनाए रहा और बार-बार उसे शादी का झांसा देता रहा। इसी बीच 28 फरवरी को पीड़िता और आरोपी के बीच एक बार फिर झगड़ा हुआ। इस झगड़े के बाद पीड़िता ने अपने घर में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या करने से पहले उसने अपने मोबाइल फोन में एक वीडियो रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने आरोपी और उसके भाई-बहन को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। वीडियो संदेश और अन्य सबूतों के आधार पर पुलिस ने 2 मार्च को आरोपी युवक, उसके भाई और बहन को गिरफ्तार कर लिया।

खबर संक्षेप

मंदिर से दो लाख से ज्यादा का सामान चोरी

डीबीडी संवाददाता । पालघर

पालघर जिले में चोरी की घटनाएं लगातार हो रही हैं। अब चोर भगवान मंदिरों को भी निशाना बनाने में जुट गए है। यहां के चिंचणी इलाके में बेहद शर्मसार करने देने वाली वारदात को चोरों ने अंजाम दिया है। पुलिस के मुताबिक अज्ञात बदमाश समुद्रीमाता मंदिर के अंदर घुसे और चांदी का मुकुट,चांदी की मूर्ति और दानपेटी की नगदी सहित 235000 रुपए का सामान चोरी कर फरार हो गए।आरोपी ने एक लाख चालीस हजार का मुकुट और अस्सी हजार की भगवान शिव की मूर्ति और पंद्रह हजार रुपए समुद्री माता के मंदिर और हरीहरेश्वर मंदिर की दान पेटी से चोरी कर फरार हो गया है। मामले में वानगांव पुलिस अज्ञात आरोपी पर केस दर्ज कर उसकी तलाश में जुट गई है।

नासिक औद्योगिक विकास के लिए बनेगा रोडमैप

नासिक। नासिक जिले में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए रोडमैप की आवश्यकता पर कलेक्टर जलज शर्मा ने जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस रोडमैप को अंतिम रूप देने के लिए एनआईएमए सहित सभी औद्योगिक संगठनों के सहयोग से एक ठोस प्रयास किया जाएगा। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जल्द ही जिला उद्योग मित्र की बैठक बुलाई जाएगी। यह विकास नासिक के अपने औद्योगिक क्षेत्र को बढ़ावा देने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। महाराष्ट्र के तीसरे औद्योगिक केंद्र के रूप में, नासिक में कई सरकारी कंपनियां और उपक्रम हैं, जिनका ध्यान वाइनरी, अंगूर और पैठणी साड़ियों पर है। महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम ने नासिक जिले में 940 हेक्टेयर से अधिक भूमि को कवर करते हुए 5 नए औद्योगिक एस्टेट स्थापित करने की भी योजना बनाई है। एनआईएमए के अध्यक्ष आशीष नहार ने सरकार से नासिक में लंबित विभिन्न परियोजनाओं में तेजी लाने का आग्रह किया है, जिसमें मेगा प्रोजेक्ट, एक स्थायी प्रदर्शनी केंद्र, ड्राई पोर्ट, आईटी पार्क, सीपीआईआर लैब और डिफेंस इनोवेशन हब शामिल हैं। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि सीईपीटी और एसपीटी परियोजनाओं में तेजी लाई जाए, औद्योगिक क्षेत्रों में सड़कों की मरम्मत की जाए और ट्रक टर्मिनलों के लिए भूमि आवंटित की जाए। नासिक के कलेक्टर जलज शर्मा ने आश्वासन दिया कि ये मांगें उचित हैं और जल्द ही लागू की जाएंगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुंबई और पुणे के बाद नासिक औद्योगिक विकास के लिए एक प्रमुख स्थान है और जिला प्रशासन अधिकतम रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए अथक प्रयास करेगा।

संत कबीर औद्योगिक महाविद्यालय की खेल प्रतियोगिता एवं पुरस्कार समारोह संपन्न

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

शहर में भादवड़ स्थित संत कबीर औद्योगिक महाविद्यालय की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता हाल ही में आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता का पुरस्कार समारोह भिवंडी मनपा के सहायक आयुक्त मिलिंद पलसुले की उपस्थिति में संपन्न हुआ। संस्थान के ट्रस्टियों में से एक और मालाबार हिल से भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष धर्मेंद्र दोशी, भादवड़ के उद्योगपति और शिव परिवहन सेना प्रभाग के प्रमुख गजेंद्र गुलवी, संस्थान की प्रिंसिपल सीमा महाजन सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और छात्र उपस्थित थे। संस्था स्तर एवं जिला स्तर पर वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं में कबडडी,खो-खो, लंबी कूद, दौड़, शतरंज और क्रिकेट जैसे खेल शामिल थे। इसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्राफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

भिवंडी शहर समाज कल्याण विभाग के सहायक आयुक्त और खेल विभाग के प्रमुख मिलिंद पलसुले ने कहा कि आपके शरीर और दिमाग के लिए खेल मुख्य मार्गदर्शिका इस बात पर जोर देती है कि हमें व्यायाम मिलता है और हम स्वस्थ रहते हैं, जबकि इस संस्था के ट्रस्टी धर्मेंद्र दोशी ने विश्वास व्यक्त किया कि कॉलेज को जो भी मदद करनी होगी, हम राज्य के कौशल विकास मंत्रालय विभाग के माध्यम से कॉलेज की मदद करने का प्रयास करेंगे ताकि इस संस्था को समर्थन मिल सके।

टीएमसी की नई विकास योजना के खिलाफ प्रदर्शन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे नगर निगम ने एक नई विकास योजना का मसौदा तैयार किया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शरद चंद्र पवार और कोंकण प्रभारी विधायक जितेंद्र आव्हाड के नेतृत्व में एकत्र हुए कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि यह विकास योजना एक विशिष्ट उद्देश्य को ध्यान में रखकर बनाई गई है। ठाणे में कलवा नाका पर नागरिकों ने इस विकास योजना के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। शहर ने एक नई विकास योजना तैयार की है। आरोप है कि इस योजना के अनुसार, संपूर्ण कलवा-खारीगांव क्षेत्र नष्ट कर दिया जाएगा। योजना यह है कि स्वीकृत योजनाओं वाली सोसायटियों के बीच से बड़ी सड़कें बनाई जाएं और वायरस को साढ़े तीन सौ से चार सौ इमारतों में फैलाया जाए। परिणामस्वरूप, 45,000 निवासी बेघर हो जायेंगे। इसके खिलाफ जन आंदोलन चलाया जाएगा और इसी के तहत कलवा के लोग कलवा नाका पर एकत्र हुए और नई विकास योजना के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया।

ठाणे एनसीपी एसपी गुट का कहना है कि इस बार मसौदा विकास योजना में कलवा और खारीगांव क्षेत्र की करीब 400 इमारतें प्रभावित होंगी। गांव का इलाका भी नष्ट होने वाला है। कलवा बे ब्रिज के निकट स्थित तीन इमारतें पूरी तरह नष्ट हो जाएंगी, जिससे वहां के निवासी बेघर हो जाएंगे। इस स्थिति से लगभग 45, हजार परिवार सीधे प्रभावित होंगे।

बताया जाता है कि यदि कलवा-खारीगांव के भावनाओं की हत्या करके ऐसा विकास किया जा रहा है तो हम इसके खिलाफ हैं। इसलिए उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि अब सभी दल एकजुट होकर ऐसे विकास प्रस्ताव के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करेंगे। इस विकास परियोजना का प्रस्ताव मुख्यमंत्री ने पिछले सत्र में रखा था। योजना का वादा किया गया है।

इधर पूर्व मंत्री , विधायक और एनसीपी एसपी के राष्ट्रीय महासचिव. जितेंद्र आव्हाड ने भी कहा कि हम कल से शुरू हो रहे सत्र में सरकार से इस संबंध में जवाब मांगेंगे।

इस मौके पर ठाणे एनसीपी शहर अध्यक्ष सुहास देसाई, विपक्ष के नेता मिलिंद पाटिल, कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश पाटिल, विपक्षी नेता प्रमिलाताई केनी, पार्षद महेश सालवी, अपर्णा सालवी और अन्य उपस्थित थे।

सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में पश्चिम रेलवे का दूसरा स्थान

सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल किया

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे मुख्यालय की सांस्कृतिक टीम ने इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई द्वारा हाल ही में आयोजित अंतर रेलवे सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में शानदार नृत्य प्रदर्शन किया और दूसरा स्थान प्राप्त किया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, पश्चिम रेलवे मुख्यालय की सांस्कृतिक टीम ने ऊर्जावान दिवली नृत्य प्रस्तुत किया, जो गोवा का लोक नृत्य है। उनके मनमोहक और जीवंत प्रदर्शन की सभी ने सराहना की। प्रतियोगिता में क्षेत्रीय रेलवे के साथ-साथ उत्पादन इकाइयों की 18 टीमों ने भाग लिया।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने विजेता टीम को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी तथा उन्हें संगठन के लिए और अधिक ऐसे ही पुरस्कार लाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह जीत टीम की कड़ी मेहनत, समर्पण और सांस्कृतिक गतिविधियों के प्रति जुनून का प्रमाण है।

इस जीवंत प्रदर्शन में सुकन्या नागदा, उर्वी सुकी, रुक्मिणी अय्यर, लेखाश्री मेस्त्री, दक्षा सोनवणे, गार्गी राउत, नीना मेर, राजेंद्र पाटिल, मितेश माने और विशाल कांबले शामिल थे। पश्चिम रेलवे अपने कर्मचारियों को उनकी सांस्कृतिक रुचियों को आगे बढ़ाने और विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित और समर्थन करती है। यह उपलब्धि रेलवे के लिए गर्व का क्षण है और इससे अन्य लोगों को अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने की प्रेरणा मिलेगी।

रेत माफिया के खिलाफ भिवंडी तहसीलदार कार्यालय की कार्रवाई

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

कलेक्टर अशोक शिंगारे द्वारा भिवंडी ठाणे खाड़ी बेल्ट में अवैध रूप से रेत खनन करने वाले रेत माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने के आदेश के बाद, उपविभागीय अधिकारी अमित सानप के मार्गदर्शन में तहसीलदार अभिजीत खोले, सर्कल अधिकारी सुधाकर कामडी, राजेंद्र वंजारी ने कार्रवाई की। तहसीलदार अभिजीत खोले ने जानकारी दी है कि राजस्व अधिकारियों की एक टीम द्वारा कार्रवाई में तीन सक्शन पंप और एक बार्ज को नष्ट कर दिया गया। शनिवार को दिवे केवनी से खारबाव तक खाड़ी में सरकारी नाव की मदद से अवैध रूप से रेती खनन करने वालों को तलाशा गया। कार्रवाई के दौरान सक्शन पंप टीम को दिवे केवानी के सामने वाघबील ठाणे खाड़ी के तट पर एक सक्शन पंप मिला। इस ऑपरेशन के दौरान सक्शन पंप की वाल खुल गई थी और उसमें पानी भर गया था, इसलिए टीम ने सेक्शन पंप के पाइप को काट दिया और आग लगा दी और सक्शन पंप को खाड़ी में डुबो दिया। इस बीच, पिंपलास से कोन खाड़ी तक अवैध रूप से रेत पंप करते हुए दो सक्शन पंप और एक बार्ज पकड़ा गया। ये सब मशीनें कोनगांव खाड़ी के किनारे खींच कर लाया गया, उसके बाद उसे गैस कटर से काटकर नष्ट कर दिया गया। अज्ञात रेती उत्खनन करने वालों के ऊपर मामला दर्ज किया गया है।

तीन सक्शन पंप और एक बार्ज नष्ट

11 महीनों में 2.39 लाख नए बिजली कनेक्शन जारी

- महावितरण ने तेजी से किया नए कनेक्शन का वितरण
- 24 घंटे में भी मिल रहे कनेक्शन

डीबीडी संवाददाता । कल्याण/भांडुप

महावितरण के कल्याण और भांडुप मंडलों ने नए बिजली कनेक्शन जारी करने की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 के बीच कुल 2,39,190 नए बिजली कनेक्शन दिए गए हैं। इनमें से कल्याण सर्कल में 1,35,839 और भांडुप सर्कल में 1,03,180 कनेक्शन जारी किए गए।

निरंतर समीक्षा और प्रभावी क्रियान्वयन

कल्याण मंडल I – 29,556 नए कनेक्शन
कल्याण मंडल II – 35,044 नए कनेक्शन
वसई मंडल – 47,960 नए कनेक्शन
पालघर मंडल – 23,279 नए कनेक्शन
ठाणे शहर डिवीजन (भांडुप क्षेत्र) – 27,662 नए कनेक्शन
वाशी डिवीजन – 44,718 नए कनेक्शन
पेण डिवीजन – 30,800 नए कनेक्शन

ग्राहक सेवा में तेजी लाने के निर्देश

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बिजली आपूर्ति और नए कनेक्शनों की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इसी के तहत, महावितरण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र ने ईज ऑफ लिविंग के अनुरूप ग्राहकों को शीघ्र सेवा देने के लिए विशेष योजना तैयार की।

24 घंटे में मिल रहे नए कनेक्शन

महावितरण निर्धारित कार्य-निष्पादन मानकों का पालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा में बिजली कनेक्शन प्रदान कर रहा है। कुछ स्थानों पर, सभी औपचारिकताएं पूरी करने वाले आवेदकों को महज 24 घंटे में ही बिजली कनेक्शन मिल रहे हैं। इससे ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है और महावितरण की सेवा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

शिंदे की गलतियों के कारण बीजेपी बेनकाब : संजय राउत

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाकुंभ में न जाने को लेकर हाल ही में शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पर तंज कसा था। उन्होंने प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ में उद्धव के स्नान नहीं करने को लेकर सवाल उठाया था और कहा था कि ठाकरे खुद को हिंदू कहने से डरते हैं। वहीं अब शिवसेना (UBT) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने एकनाथ शिंदे पर हमला बोला है। संजय राउत ने शिंदे पर कटाक्ष करते हुए उनसे पूछा है कि हिंदूवादी नेता शिंदे जो सवाल वो उद्धव ठाकरे से पूछ रहे हैं, क्या वहीं सवाल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के प्रमुख मोहन भागवत से पूछने की उनमें हिम्मत है? राउत ने कहा कि शिंदे को यह सवाल सबसे पहले मोहन भागवत से पूछना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर भागवत एक हिंदू होने के नाते कुंभ में डुबकी लगाने नहीं गए, तो फिर उद्धव ठाकरे को क्यों निशाना बनाया जा रहा है?।

'RSS के लोग भी नहीं गए कुंभ'

पत्रकारों से बात करते हुए संजय राउत ने कहा कि उन्होंने RSS संस्थापक डॉ। के बी हेडगेवार या संघ के पूर्व प्रमुखों एम एस गोलवलकर, बालासाहेब देवरस, रज्जू भैया और के। सुदर्शन के किसी भी कुंभ में शामिल होने की तस्वीरें कभी नहीं देखीं। यहां तक कि (हिंदुत्व विचारक) विनायक दामोदर सावरकर भी कुंभ मेले में नहीं गए।

'यह सिर्फ प्रचार का हथकंडा'

इसके साथ ही संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम बनने से पहले मोदी कभी किसी कुंभ में गए थे? । उन्होंने कहा कि यह सिर्फ प्रचार का हथकंडा है। इसके आगे उन्होंने ये भी कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पिछले महीने महाकुंभ में गए थे, लेकिन उनके कितने कैबिनेट सहयोगी या (बीजेपी विधायक वहां गए)।

'शिंदे को सवाल पूछने का प्रशिक्षण दे बीजेपी'

राउत ने शिंदे की राजनीतिक सूझबूझ की भी आलोचना की और कहा कि बीजेपी को उपमुख्यमंत्री को सवाल पूछने का प्रशिक्षण देना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिंदे की गलतियों के कारण उद्धव ठाकरे से ज्यादा बीजेपी और उसके नेता बेनकाब हो रहे हैं।

क्या कहा था शिंदे ने

दरअसल डिप्टी सीएम शिंदे ने प्रयागराज में कुंभ स्नान न करने उद्धव ठाकरे के हिंदुत्व पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा था कि कुछ लोग खुद को हिंदूवादी नेता कहते हैं, लेकिन महाकुंभ में स्नान करने नहीं गए। ऐसे लोगों की कथनी और करनी में फर्क होता है। देश और दुनिया के 65 करोड़ से ज्यादा लोगों ने प्रयागराज जाकर महाकुंभ में स्नान किया, लेकिन कुछ हिंदूवादी नेता वहां नहीं गए।

बजट सत्र से पहले चाय पार्टी का बहिष्कार

घोटाले-महिला सुरक्षा पर भड़का महाविकास अघाड़ी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में राजनीतिक हलचल हमेशा बनी ही रहती है। राज्य में बजट सेशन शुरू होने से पहले विपक्षी दलों के गठबंधन महा विकास अघाड़ी (MVA) ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। अघाड़ी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार और विपक्ष में किसी तरह का संवाद नहीं हो रहा है। महायुति सरकार के कई मंत्रियों पर घोटाले के आरोप लग रहे हैं लेकिन उनकी ओर से एक भी इस्तीफा नहीं दिया जा रहा है। साथ ही विपक्ष ने चाय पार्टी का बहिष्कार किया।

अघाड़ी ने राज्य सरकार पर हमला करते हुए कहा कि आज के समय राज्य सरकार और विपक्ष में कोई संवाद नहीं है। उनके मंत्रियों पर इतने सारे घोटाले के आरोप लग रहे हैं, लेकिन उनमें से एक का भी इस्तीफा नहीं हो रहा। देवेंद्र फडणवीस की सरकार विपक्ष की आवाज नहीं सुन रही तो महायुति सरकार की चाय पार्टी में शामिल होने का मतलब क्या है?

जलगांव की घटना गंभीर : आदित्य ठाकरे

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस की ओर से भाई जगताप और अमन पटेल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP-SP) से जितेंद्र आव्हाड और शिवसेना (उद्धव ठाकरे) से आदित्य ठाकरे तथा अम्बादास दानवे शामिल हुए विपक्षी पार्टियों ने रविवार शाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की ओर से दी गई चाय पार्टी का बहिष्कार किया है। कोई विपक्षी नेता सीएम की चाय पार्टी में शामिल नहीं होगा। जलगांव मामले में शिवसेना (UBT) के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा, 'किसी भी बेटी के साथ ऐसी घटना हो वो बहुत ही गंभीर है। कई सालों से गृह मंत्री (देवेंद्र फडणवीस) एक ही हैं। आज पुलिस के साथ बंधे हुए हैं। पुलिस के हाथ खोलिए।'उन्होंने आगे कहा कि कानून व्यवस्था राज्य में पूरी तरह से बिगड़ चुकी है। और जहां तक इस घटना में एकनाथ शिंदे गुट से जुड़े लोगों के शामिल होने की बात है। तो जो खुद ही भगोड़ा रहा है तो उसके बारे में क्या बात करें।

लाडकी बहिन योजना पर बरसा MVA

माधवी गांव में मुस्लिमों के बहिष्कार पर आदित्य ठाकरे ने कहा, 'आपको पता है कि इस मुद्दे पर हमारी पार्टी और महा विकास अघाड़ी की क्या भूमिका है, लेकिन जिस मंत्री (नीतेश राणे) का आप नाम ले रहे हैं। उनकी बात को हम गंभीरता से नही लेते। तवज्जो नहीं देते।

महा विकास अघाड़ी ने लाडकी बहिन योजना के तहत दिए जाने वाले दिए जाने वाले किस्त को लेकर कहा कि चुनाव से पहले महायुति को योजना के तहत राज्य की महिलाओं को धोखा देना ही था। इसलिए पहले स्क्रूटनी के नाम पर इस योजना से लाखों महिलाओं के नाम बाहर निकाले और अब राज्य के बजट पर इसका इतना बोझ पड़ रहा है कि यह खुद या तो विधानसभा सभा में या कोर्ट में यह कह देंगे कि इस योजना का बोझ राज्य का बजट नहीं सह सकता। इसलिए इसे बंद कर दीजिए।

बीएमसी आयुक्त ने लिया सेवन हिल्स अस्पताल का जायजा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

रविवार को बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया, उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर समधान व्यक्त किया।

अंधेरी पूर्व स्थित मरोल के सेवन हिल्स अस्पताल का संचालन बीएमसी द्वारा किया जाता है। अस्पताल में प्रमुख चिकित्सा सुविधाओं का बीएमसी आयुक्त गगरानी ने निरीक्षण किया। यहां 50 बिस्तरों वाली गहन चिकित्सा इकाई, डायलिसिस सेवाएं, डायग्नोस्टिक्स, बाह्य रोगी विभाग आदि शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने पार्किंग स्थल, सफाई, रखरखाव आदि कार्यो का जायजा लिया। इस अवसर संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चंद्रकांत पवार के अनुसार मुंबई के पश्चिमी उपनगरों के साथ-साथ निकटवर्ती पूर्वी उपनगरों से भी मरीज इस अस्पताल में आते हैं। वर्तमान में 306 बिस्तरों की क्षमता वाला यह अस्पताल कार्डियोलॉजी, न्यूरोलॉजी, मेडिसिन और सर्जरी सहित विभिन्न प्रकार की उपचार सेवाएं प्रदान करता है। सीप्ज़, हवाईअड्डों आदि स्थानों से तत्काल ईलाज की आवश्यकता वाले मरीज भी यहां आते हैं। मरोल और सीप्ज़ जैसे मेट्रो रेलवे स्टेशनों के कारण नागरिकों के लिए सेवन हिल्स अस्पताल आना अधिक सुविधाजनक हो गया है।

विशेष कार्य अधिकारी डॉ. महारुद्र कुंभारे ने बताया कि इस अस्पताल में कुल बिस्तरों में से 20 प्रतिशत यानी 61 बेड बीएमसी द्वारा रेफर किए गए मरीजों के लिए आरक्षित हैं। अस्पताल में महात्मा फुले जन आरोग्य योजना और अन्य सरकारी योजनाएं भी क्रियान्वित की जा रही हैं।

डॉ. अजीत नवले को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का सचिव चुना गया

▶▶ सीपीआई(एम) का 24वां महाराष्ट्र राज्य अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

किसान नेता डॉ. अजीत नवले को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) महाराष्ट्र प्रांत के राज्य सचिव के रूप में चुना गया है।डॉ. नवले को सर्वसम्मति से नया राज्य सचिव चुना गया। देश भर के सभी राज्यों में कम्युनिस्ट पार्टी के सबसे युवा राज्य सचिव के रूप में, डॉ. नवले ने सम्मान अर्जित किया है।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी का महाराष्ट्र राज्य अधिवेशन 27, 28 फरवरी और 1 मार्च को हुआ। तीन दिवसीय अधिवेशन में राज्य भर से 337 प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस दौरान 8 सामाजिक-राजनीतिक प्रस्ताव पेश किए गए, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। मुख्य राजनीतिक एवं संगठनात्मक रिपोर्ट राज्य सचिव डॉ. उदय नारकर ने प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट पर चर्चा में 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें 14 महिलाएं शामिल थीं। डॉ. उदय नारकर के जवाब के बाद रिपोर्ट को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। इस सम्मेलन में 50 सदस्यों की एक नई राज्य समिति और 15 सदस्यों का एक राज्य सचिवीय बोर्ड चुना गया।

किसान नेता डॉ. अजीत नवले को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) महाराष्ट्र प्रांत का राज्य सचिव चुना गया। डॉ. नवले को सर्वसम्मति से नया राज्य सचिव चुना गया है, जिससे वह देश भर में किसी भी राज्य में कम्युनिस्ट पार्टी के सबसे युवा राज्य सचिव बन गए हैं। निवर्तमान सचिव डॉ. उदय नारकर ने खराब स्वास्थ्य के कारण सचिव पद पर पुनः चुनाव से विनम्रतापूर्वक इनकार कर दिया। सीपीआई(एम) का 24वां महाराष्ट्र राज्य अधिवेशन शेलू में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर पोलित ब्यूरो सदस्य एवं पार्टी समन्वयक प्रकाश करात, पोलित ब्यूरो सदस्य नीलोत्पल बसु, पोलित ब्यूरो सदस्य डॉ. अशोक धवले उपस्थित थे।

27, 28 फरवरी और 1 मार्च को आयोजित तीन दिवसीय अधिवेशन में राज्य भर से 337 प्रतिनिधि उपस्थित थे। अधिवेशन में आठ सामाजिक-राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए, जिन्हें सर्वसम्मति से पारित किया गया। मुख्य राजनीतिक एवं संगठनात्मक रिपोर्ट राज्य सचिव डॉ. उदय नारकर ने प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट पर चर्चा में 59 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें 14 महिलाएं शामिल थीं। डॉ. उदय नारकर के जवाब के बाद रिपोर्ट को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई।

इस सम्मेलन में 50 सदस्यों की एक नई राज्य समिति और 15 सदस्यों का एक राज्य सचिवीय बोर्ड चुना गया। इस नवनिर्वाचित समिति ने सर्वसम्मति से डॉ. अजीत नवले को नया राज्य सचिव चुना। डॉ. उदय नारकर ने खराब स्वास्थ्य के कारण सचिव पद पर पुनः चुनाव से विनम्रतापूर्वक इनकार कर दिया। अप्रैल में होने वाली 24वीं मदुरै पार्टी कांग्रेस के लिए 17 प्रतिनिधियों और 2 दर्शकों का चयन किया गया। अपने समापन भाषण में डॉ. अशोक धावले ने पिछले कुछ वर्षों में अत्यंत कठिन परिस्थितियों में बड़ी लगन से काम करने के लिए सभी प्रतिनिधियों को बधाई दी।

उन्होंने धर्मनिरपेक्ष एकता को बनाए रखने और मजबूत करने तथा आने वाले समय में संघर्ष करने और संगठन बनाने पर ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री की बेटी से छेड़खानी करने वाला आरोपी पुलिस के शिकंजे में

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

जलगांव में केंद्रीय मंत्री की बेटी के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। यहां कुछ मनचलों ने संत मुक्ताई यात्रा के दौरान लड़कियों की टोली से छेड़खानी की, जिनमें केंद्रीय मंत्री की बेटी भी शामिल थीं। आरोपी लड़कों के खिलाफ कार्रवाई के लिए मंत्री खुद पुलिस स्टेशन पहुंच गईं। उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। छेड़खानी की घटना जलगांव जिले के मुक्ताईनगर में हुई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, बाकी आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जलगांव के संत मुक्ताई यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री की बेटी और उनकी सहेलियों के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। यह घटना मुक्ताईनगर तालुका के कोथली गांव में घटी, जहां महाशिवरात्रि के साप्ताहिक अवसर पर संत मुक्ताई यात्रा का आयोजन किया गया था। शुक्रवार देर शाम जब केंद्रीय मंत्री की बेटी अपनी सहेलियों के साथ यात्रा में शामिल थीं, तभी चार से पांच अज्ञात युवकों ने उनका पीछा करना शुरू किया।

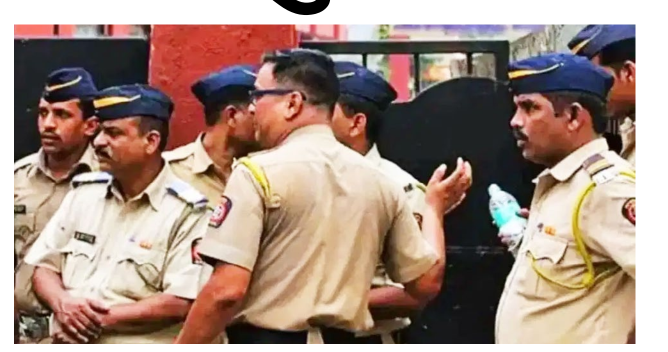

केंद्रीय मंत्री गुस्से में पहुंचीं थाने

घटना के बाद केंद्रीय मंत्री गुस्से में पुलिस स्टेशन पहुंचीं। उन्होंने कहा कि वह यहां एक सांसद या मंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक मां के रूप में आई हैं। मंत्री ने कहा किअगर उनकी बेटी ही सुरक्षित नहीं है, तो आम लड़कियों की सुरक्षा का क्या होगा? उन्होंने महाराष्ट्र सरकार और मुख्यमंत्री से इस मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मंत्री का कहना है, 'अगर एक लोकप्रतिनिधि की बेटी के साथ ऐसा हो सकता है, तो आम जनता की बेटियों की सुरक्षा कौन करेगा? मैं मुख्यमंत्री से मिलकर इस विषय में सख्त कानून लागू करने की मांग करूंगी।'

लड़कियों से की छेड़खानी, गार्ड से धक्का-मुक्की

आरोपी लड़को ने लड़कियों की टोली पर फब्तियां कसनी शुरू की और उनसे छेड़छाड़ करना शुरू किया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ये युवक छुपकर मोबाइल से वीडियो बना रहे थे और अश्लील टिप्पणियां कर रहे थे।युवकों की हरकतें बढ़ती देख सुरक्षा गार्ड ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन वे गाली-गलौच करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने सुरक्षा गार्ड के साथ धक्का-मुक्की की। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग जमा हो गए, जिसके बाद मामला मुक्ताईनगर पुलिस स्टेशन तक पहुंचा।

बीजेपी कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

शिकायत के बाद मुक्ताईनगर पुलिस ने आरोपी युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक आरोपी की गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच जारी है।सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। घटना के बाद माहौल गरम है।इस घटना से मुक्ताईनगर और जलगांव में तनाव का माहौल बन गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए पुलिस स्टेशन के बाहर प्रदर्शन किया है। वहीं, राजनीतिक गलियारों में भी इस मुद्दे पर चर्चा तेज हो गई है।

10 करोड़ की कोकीन बरामद, ब्राजील की महिला गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई एयरपोर्ट पर चेकिंग के दौरान एक महिला को तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। महिला ब्राजील की निवासी है, जो भारत में कोकीन की तस्करी करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन चेकिंग के दौरान उसे पकड़ लिया गया। महिला शातिर तरीके से कोकीन के कैप्सूल निगलकर ब्राजील से भारत आई थी। अब इस तस्करी नेटवर्क का पता लगाया जा रहा है।

दरअसल महिला अपने अंदर साढ़े 10 करोड़ की कोकीन छिपाकर तस्करी कर ब्राजील से मुंबई ला रही थी, लेकिन तस्कर महिला को मुंबई एयरपोर्ट पर ही पकड़ लिया गया।राजस्व खुफिया निदेशालय (DRI) के अधिकारियों ने उस ब्राज़ीलियाई महिला को साओ पाउलो से भारत में ड्रग्स की तस्करी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। महिला ने तस्करी की बात कबूल भी की है।

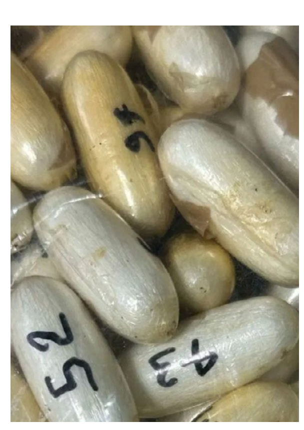

10 करोड़ से ज्यादा कीमत की कोकीन

चेकिंग के दौरान महिला ने खुद भी स्वीकार किया कि उसने कोकीन से भरे कैप्सूल्स निगले थे। इसके बाद उसे तुरंत एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने 100 कैप्सूल्स बाहर निकाले। इनमें कुल 1,096 ग्राम कोकीन थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में कीमत लगभग 10 I96 करोड़ आंकी गई है। यानी 10 करोड़ की कीमत के कोकीन की तस्करी की कोशिश महिला ने की। डीआरआई अधिकारियों ने नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (NDPS) अधिनियम के तहत इन ड्रग्स को जब्त कर लिया और महिला को गिरफ्तार कर लिया।

तस्करी नेटवर्क का पता लगाया जाएगा

फिलहाल इस मामले में आगे की जांच जारी है। ताकि इस तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाया जा सके। डीआरआई के अनुसार, कोकीन की तस्करी में शामिल गिरोह एयर ट्रैवलर्स का उपयोग करते हैं, जिन्हें 'ड्रग म्यूल्स' कहा जाता है। ये तस्कर अक्सर आर्थिक रूप से कमजोर होते हैं और पैसों के लालच में इस तरह की अवैध गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं और आखिर में आकर फंस जाते हैं। अब इस महिला को भी गिरफ्तार कर लिया है। उससे पूछताछ की जाएगी और पूरे तस्करी से जुड़े नेटवर्क का पता लगाया जाएगा।

बच्ची का गला घोंटकर हत्या करने वाला बाप गिरफ्तार

मुंबई। घाटकोपर के कामराज नगर में चार माह की बच्ची का पालने की डोरी से गला घोंटने वाले सगे बाप को पंत नगर पुलिस स्टेशन की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार घाटकोपर के कामराज नगर में रहने वाला संजय बाबू कोकरे चाहता था कि उसकी पत्नी बेटे को जन्म दे, लेकिन चार माह पहले कोकरे की पत्नी ने बेटी को जन्म दिया था। तब से ही संजय कोकरे अपनी बेटी को रास्ते से हटाने का मौका ढूढ रहा था। शनिवार को जब उसकी पत्नी अपनी बेटी को पालने में सुलाकर किसी काम के लिए बाहर चली गई थी। उसी समय संजय कोकरे ने पालने की डोरी से ही अपनी बेटी का गला घोंट कर हत्या कर दिया। इसके संजय मौके से फरार हो गया।

न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक घोटाला मामले के मुख्य आरोपित का लाई डिटेक्टर टेस्ट

मुंबई। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू)न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक में हुए 122 करोड़ रुपये के घोटाले के मुख्य आरोपित हितेश मेहता का लाई डिटेक्टर टेस्ट करवाएगी।

पुलिस सूत्रों ने रविवार को बताया कि न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक घोटाले मामले की जांच कर रही पुलिस 122 करोड़ रुपये के गबन मामले के मुख्य आरोपित हितेश मेहता से पूछताछ कर रही है, लेकिन मेहता जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। इसी वजह से पुलिस ने कोर्ट से हितेश मेहता का लाई डिटेक्टर टेस्ट करवाने की मंजूरी मांगी थी, जिसकी मंजूरी मिल गई है।

पुलिस के अनुसार न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक घोटाले में 122 करोड़ रुपये की बड़ी हेराफेरी की गई थी। इस मामले में चार लोगों की गिरफ्तारी हुई है। इनमें बैंक के पूर्व महाप्रबंधक हितेश मेहता, बिल्डर धर्मेश पांव और अभिमन्यु नाम का एक व्यक्ति शामिल है। इस मामले में चौथी गिरफ्तारी मनोहर नाम के व्यक्ति की हुई थी। अधिकारियों को संदेह है कि भानु दंपत्ति को घोटाले और भारतीय रिजर्व बैंक की जांच के बारे में पहले से जानकारी थी। यह भी पता चला है कि भानु परिवार के कई सदस्य 14 फरवरी को देश छोड़कर भाग गए थे, जिस दिन आधिकारिक तौर पर मामला दर्ज किया गया था। हितेश मेहता के लाई डिटेक्टर टेस्ट से इस मामले की सच्चाई का पता चल सकेगा।

कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, कल्याण

मलनि:सारण विभाग

निविदा सूचना क्र. 39 सन 2024-25

आयुक्त, कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका क्षेत्रातील ९ कामांकरीता योग्य त्या वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदाराकडून ई-निविदा मागवीत आहे.

कोरे निविदा फॉर्म व निविदेबाबत सर्व अटी व शर्तीची माहिती महाराष्ट्राचे www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दिनांक ०३/०३/२०२५ ते १० /०३/२०२५ रोजी दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत उपलब्ध आहेत. निविदा ई-टेंडरींग कार्यप्रणालीद्वारे दि. १० /०३/२०२५ रोजी दुपारी ३.०० वाजेपर्यंत भरता येतील. प्राप्त निविदा दि. ११ /०३/२०२५ रोजी सायंकाळी ४.०० वाजता शक्य झाल्यास उघडण्यात येईल.

कोणत्याही कारणास्तव एक किंवा सर्व निविदा रद्द करण्याचा अधिकार आयुक्तांनी राखून ठेवला आहे, याबद्दलचा त्यांचा निर्णय अंतिम व सर्व निविदाधारकांना बंधनकारक राहील.

निविदेबाबतची अधिक माहिती www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.

जा. क. कडोंमपा/जसंवि / मुका/ २२८
दिनांक- 28/02/2025

हस्ता/-
शहर अभियंता,
कल्याण डोंबिवली महानगरपालिका, कल्याण

DBD दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

संपादकीय

दक्षिणपंथी वैचारिकी के दो रूप

ये हैं तो दो अलग-अलग परिघटनाएं जिनका एक-दूसरे से कोई सीधा सम्बन्ध नहीं दिखता, परन्तु दोनों से ही दक्षिणपंथियों की विचारधारा और सरकार की कार्यपद्धति का पता चलता है। एक का सम्बन्ध विनायक दामोदर सावरकर के वंशजों से है तो दूसरा एक ऐसे डीन की नियुक्ति के बाबत है जो महात्मा गांधी के हत्यारे पर गर्व करती है तथा उसे देश को बचाने वाला मानती है। दोनों घटनाएं यह भी बतलाती हैं कि ऊंचे पदों पर बैठे लोगों के निजी प्रयासों तथा राज्य-समर्थित सांस्थानिक कृत्यों द्वारा भारत को किस दिशा में ले जाया जा रहा है। पहले बात करें अंग्रेजों की जेल से माफी मांगकर छूटने वाले सावरकर की! कांग्रेस राहुल गांधी ने मार्च, 2023 में लंदन में एक भाषण के दौरान बतलाया था कि सावरकर ने एक मुस्लिम व्यक्ति पर कथित तौर पर 'हमले को आनंददायक' कहा था। इसे लेकर उनके वंशजों में से एक सात्यकि अशोक सावरकर ने पुणे की विशेष सांसद-विधायक कोर्ट में राहुल के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर कर दिया था। 19 फरवरी को इसकी पेशी थी लेकिन राहुल को अदालत ने उपस्थिति की छूट दी थी; परन्तु अब उन्होंने मामले की सुनवाई 'समरी ट्रायल' की बजाये 'समन ट्रायल' के रूप में करने की मांग की है ताकि वे सावरकर से सम्बन्धित ऐतिहासिक सबूत एवं दस्तावेज रिकॉर्ड के लिये पेश कर सकें। लोकसभा में विपक्ष के नेता के खिलाफ मामला दायर करने वाले सात्यकि ही नहीं बल्कि सावरकर के परिवार एवं उनकी विचारधारा को मानने वाले सभी व्यक्तियों-संगठनों के लिये यह परेशान होने का पर्याप्त कारण है क्योंकि इस सच्चाई से वे स्वयं भी अवगत हैं कि सावरकर को जब अंग्रेजों ने पोर्ट ब्लेयर (अंडमान-निकोबार) की सेलुलर जेल में कालेपानी की सज़ा देकर रखा था तब उन्होंने छूटने के लिये लगभग एक दर्जन माफीनामे लिखे थे। इतना ही नहीं, रिहा होने के बाद उन्हें अंग्रेजों द्वारा हर माह 60 रुपये की पेंशन भी दी जाती थी। इसे भी बढ़ाने की वे दरख्वास्त करते रहे। इसके बाद वे जब तक जीवित रहे, उन्होंने कभी भी अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ मुंह नहीं खोला था। सावरकर को लेकर तभी से विवाद जारी हैं जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार केन्द्र में बनी है। पूरी भाजपा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं अन्य सहयोगी संगठन सावरकर का महिमा मंडन करते नहीं अघाते, बावजूद इसके कि कई मुद्दों पर उनके विचार अलग थे। मसलन, सावरकर गाय को अन्य पशुओं की ही तरह मानते थे। आजादी के बाद निष्क्रिय जीवन बिताने वाले सावरकर को लोगों ने एक तरह से भुला दिया था। थोड़े से लोग हैं जो उन्हें 'वीर' या 'क्रांतिकारी' जैसे शब्दों से नवाज़ा करते हैं। जब उनके चरित्र को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना शुरू किया गया तो दूसरी ओर उनकी असलियत भी सामने आने लगी। अधिकतर लोगों को उनके माफीनामे तथा पेंशन के बाबत भी इसी दौरान ज्ञात हुआ। उनका कृत्रिम आभामंडल अज्ञात, अल्पज्ञात या छिपाये गये तथ्यों के सामने आने से ध्वस्त हो गया। हालांकि वे सबूतों के अभाव में छूट गये थे। तो भी गांधी-नेहरू से भाजपा-संघ की घृणा का आयाम विस्तृत है। इसी की श्रृंखला में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), कालीकट के योजना व विकास विभाग की नयी डीन के रूप में उन डॉ. शैजा अंदावन को नियुक्त किया गया है जिन्होंने गांधी पुण्यतिथि पर सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली थी कि 'उन्हें गोडसे पर गर्व है जिन्होंने भारत को बचा लिया।' हालांकि लोगों के विरोध के बाद उन्होंने उस पोस्ट को डिलीट तो कर दिया था पर उनकी गिरफ्तारी हुई थी और वे अभी जमानत पर हैं। अब उनकी नियुक्ति पर मुहर लगाकर केन्द्र सरकार ने साबित कर दिया है कि उसकी सोच गांधी को लेकर क्या है।

निर्वासितों से दुर्व्यवहार को सामान्य न बनाएं

छोटे देशों ने बेहतर काम किया है। वे एक अच्छी प्रतिक्रिया के उदाहरण के रूप में सामने आते हैं। कोलंबिया, ब्राजील और मैक्सिको ने अपने देशों में वापस भेजे गए निर्वासितों के साथ दुर्व्यवहार को स्पष्ट रूप से सामने लाया है। दो दक्षिण अमेरिकी देशों और मैक्सिको की गुस्से भरी प्रतिक्रियाएं एक अच्छी और संतुलित प्रतिक्रिया का एक शानदार उदाहरण हैं।

19 फरवरी को यूनाइटेड स्टेट्स व्हाइट हाउस ने 41 सेकंड का एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें निर्वासितों को बेड़ियों में जकड़ा हुआ दिखाया गया है क्योंकि उन्हें अवैध अप्रवासियों को (जैसा कि उन्हें वहां 'अवैध एलियंस' के रूप में जाना जाता है) अमेरिकी क्षेत्र से निकालने के डोनाल्ड ट्रम्प प्रशासन के प्रयासों के तहत निर्वासन कार्यों के लिए एक हवाई जहाज में ले जाया जा रहा है। वीडियो में निर्वासितों या अमेरिकी अधिकारियों के चेहरे नहीं दिखाए गए थे लेकिन बाद वाले ने जो जैकेट पहनी थी जिससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि वे एनफोर्समेंट एंड रिमूवल ऑपरेशंस (ईआरओ) से थे, जो अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के प्रवर्तन और निष्कासन कार्यों का संक्षिप्त रूप है। वीडियो का उद्देश्य न केवल निर्वासितों, जिनमें से कई भारत से हैं, बल्कि उनके राष्ट्रों और उनके नागरिकों का समग्र रूप से उपहास उड़ाना और उन्हें शर्मिंदा व अपमानित करना था। वीडियो का चौंकाने वाला शीर्षक था- 'एएसएमआरः अवैध विदेशी निर्वासन उड़ान' और एलोन मस्क के स्वामित्व वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसे 100 मिलियन से अधिक बार देखा गया है। वीडियो में एएसएमआर (ऑटोनॉमस सेंसरी मेरिडियन रिस्पांस) का तात्पर्य स्टील की जंजीरों की झुनझुनी ध्वनि से है जब उन्हें टरमैक पर बिछाया जाता है क्योंकि कैदी आगे बढ़ते हैं और एक-एक करके उन्हें जंजीरों में जकड़ा जाता है। एएसएमआर रीढ़ की हड्डी में महसूस होने वाली संतुष्टि और सुखद झुनझुनी की भावना है, जो कुछ लोगों में कुछ ध्वनियों से ट्रिगर होती है, जैसे टिशू पेपर का कुचलना या बबल रैप का फटना। स्टील की बेड़ियों के बिछाए जाने की आवाज वह झुनझुनी है जिसे वे पसंद करते हैं। मस्क ने वीडियो को 'हाहा... वाह' शब्दों के साथ रीट्वीट किया। निर्वासितों के साथ अमानवीय व्यवहार सिफ़र् उनके साथ किए जाने वाले व्यवहार में ही नहीं है। अमेरिकियों के दिमाग में 'एलियंस' की गहरी पैठ है, जिसमें कई परतें काम कर रही हैं, जैसे कि श्वेत वर्चस्व, गरीबी का अपराधीकरण और या दुर्व्यवहार का सामान्यीकरण। अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक अकाउंट से ऐसा वीडियो जारी करने और उनके सबसे भरोसेमंद लेफ्टिनेंट द्वारा इसे रीट्वीट करने पर हंसने के लिए दिमाग में कुछ गड़बड़ जरूर है। सभी देशों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे निर्वासितों को वापस लौटाएं और अमेरिका को यह बताएं कि निर्वासन ठीक है लेकिन इंसानों के साथ दुर्व्यवहार करना, जिनमें से ज़्यादातर समाज के गरीब तबके के हैं और जो आजीविका की तलाश में हैं, ऐसी नौकरियां लेना जो इन इच्छुक श्रमिकों की उपलब्धता के बिना भी उपलब्ध हैं, एक फासीवादी शासन के करीब है जो अन्य मनुष्यों को मनुष्य से कमतर समझता है। निर्वासन के लिए लक्षित देशों में सबसे बड़ा, सबसे मजबूत और सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में भारत को यह विरोध अवश्य व्यक्त करना चाहिए। इसमें भारत स्पष्ट रूप से, बड़े पैमाने पर और बुरी तरह विफल रहा है। इसकी जगह हमारे पास ऐसा नेतृत्व है जो अमेरिका की कार्रवाइयों को उचित ठहराता है। क्या यह पूर्व विदेश सेवा के राजनयिक से राजनेता बने डॉ. एस जयशंकर नहीं थे जिन्होंने 6 फरवरी को एक बयान में कहा था- 'आईसीई द्वारा उपयोग किए जाने वाले विमान द्वारा निर्वासन के लिए

लेखा रत्तनानी

मानक संचालन प्रक्रिया, जो 2012 से प्रभावी है, मैं दोहराता हूं, जो 2012 से प्रभावी है, प्रतिबंधों के उपयोग का प्रावधान करती है। हालांकि, हमें आईसीई द्वारा सूचित किया गया है कि महिलाओं और बच्चों को नहीं रोका जाता है। इसके अलावा भोजन या अन्य आवश्यकताओं से संबंधित पारगमन के दौरान निर्वासित लोगों की जरूरतों का ध्यान रखा जाता है, जिनमें संभावित चिकित्सा व आपात स्थिति भी शामिल है। मैं दोहराता हूं कि 5 फरवरी को अमेरिका द्वारा की जाने वाली उड़ान के लिए पिछली प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं किया गया है।' जयशंकर यह कहने में अधिक उत्सुक हैं कि हमने अपने कार्यकाल के दौरान कुछ नहीं किया। भाजपा के केंद्र में सत्ता में आने के बाद उनके द्वारा किए गए बेतुके, पूरी तरह से बेतुके, बदसूरत, बेशर्म और खुद को चोट पहुंचाने वाले हैं। पहले और बाद के बीच कृत्रिम विभाजन को देखिए! प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को डॉ. जयशंकर को फटकार लगानी चाहिए, अगर नहीं तो पदावनत करना चाहिए क्योंकि उन्होंने इस महत्वपूर्ण मामले में देश को नीचा दिखाया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और राजनीतिक स्पेक्ट्रम के अन्य संगठनों को जयशंकर के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

छोटे देशों ने बेहतर काम किया है। वे एक अच्छी प्रतिक्रिया के उदाहरण के रूप में सामने आते हैं। कोलंबिया, ब्राजील और मैक्सिको ने अपने देशों में वापस भेजे गए निर्वासितों के साथ दुर्व्यवहार को स्पष्ट रूप से सामने लाया है। दो दक्षिण अमेरिकी देशों और मैक्सिको की गुस्से भरी प्रतिक्रियाएं एक अच्छी और संतुलित प्रतिक्रिया का एक शानदार उदाहरण हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका को प्रवासियों को प्राप्त करने से पहले उनके साथ सम्मानजनक व्यवहार के लिए एक प्रोटोकॉल स्थापित करना चाहिए।' कोलंबिया ने निर्वासितों को वापस लाने के लिए अपने देश के विमान भेजे और पेड्रो ने अपने लोगों को सम्मान के साथ वापस भेजने के लिए राष्ट्रपति के विमान की भी पेशकश की। यह भारतीय प्रतिक्रिया के बिल्कुल विपरीत है। सर्वाधिक दुखद तो यह है कि प्रारंभिक जत्थों के बाद मोदी ने अमेरिका का दौरा किया जहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से हुई लेकिन उन्होंने इस मुद्दे पर उनसे बात तक नहीं की, विरोध जतलाना तो दूर की बात है।

जीवन मंत्र

बच्चों को इन चीजों में जरूर दें आजादी

> खुद पैरेंट्स भी अपनी इस पेरेंटिंग जर्नी से काफी कुछ नया सीखते हैं और बच्चों की लाइफ पर तो इसका गहरा असर होता ही है। दरअसल आगे चलकर बच्चे की पर्सनेलिटी कैसी होगी, ये काफी हद तक उसकी परवरिश पर ही निर्भर करता है।

बच्चे आगे चलकर एक कॉन्फिडेंट और सफल इंसान बनें इसके लिए उनकी परवरिश में बैलेंस बनाना बहुत जरूरी है। यानी थोड़ी सी सख्ती के साथ-साथ उन्हें कुछ चीजों में खुलकर आजादी देना भी जरूरी है। बच्चों की परवरिश करना बिल्कुल भी आसान काम नहीं। खुद पैरेंट्स भी अपनी इस पेरेंटिंग जर्नी से काफी कुछ नया सीखते हैं और बच्चों की लाइफ पर तो इसका गहरा असर होता ही है। दरअसल आगे चलकर बच्चे की पर्सनेलिटी कैसी होगी, ये काफी हद तक उसकी परवरिश पर ही निर्भर करता है। जहां ज्यादा स्ट्रिक्ट माहौल में बड़े हुए बच्चे अक्सर डरपोक, डब्बू और मेंटली वीक होते हैं तो वहीं कुछ ज्यादा ही छूट देने पर बच्चे बिगड़ैल और जिद्दी स्वभाव के भी बन जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सही बैलेंस ले कर चला जाए ताकि बच्चा एक कॉन्फिडेंट और मेंटली स्ट्रांग इंसान बने।

इसके लिए आपको थोड़ी सख्ती के साथ-साथ उसे कुछ मामलों में पूरी आजादी देना जरूरी है। आइए जानते हैं जीवन के वो कौन से क्षेत्र हैं जिनमें बच्चों को आजादी देना बेहतर है। बच्चों का स्वाभाव काफी जिज्ञासु होता है। वो हर एक चीज के बारे में जानना चाहते हैं और अपने आसपास की चीजों को ले कर उनके मन में तरह-तरह की बातें भी आती हैं। अपनी इन बातों को वो अक्सर पैरेंट्स के साथ शेयर करने की

कोशिश करते हैं। इस दौरान कई पैरेंट्स बच्चों को डांटकर चुप कर देते हैं या उनकी बात सुनने में कोई भी इंटरेस्ट नहीं दिखाते। बच्चे के बड़े होने पर भी पैरेंट्स का ये रवैया कायम रहता है और वो उसे अपनी बात रखने ही नहीं देते। इससे बच्चों का कॉन्फिडेंस भी कम होता है और वो दूसरों के सामने खुद को ठीक से जाहिर भी नहीं कर पाते। कई पैरेंट्स अपने बच्चों के लिए कुछ ओवर प्रोटेक्टिव होते हैं। ऐसे में वो उन्हें किसी से भी ज्यादा घुलने-मिलने नहीं देते। घर पर कोई मेहमान या रिश्तेदार आए हों, तो बच्चे को रूम में भगा दिया जाता है। वो वहीं उसे आसपास के बच्चों या लोगों से बातचीत करने की भी आजादी नहीं होती। इसके चलते बच्चा लोगों से घुलना मिलना भी नहीं सीख पाता और उसमें लोगों से बातचीत करने का लहजा और कॉन्फिडेंस भी डेवलप नहीं हो पाता। इसलिए बच्चे को लोगों से बातचीत करने के प्रेरित करें और उन्हें ज्यादा से ज्यादा सोशल एक्टिविटीज में पार्टिसिपेट कराएं।

जीवन ऊर्जा

जमशेदजी टाटा : जन्म- 3 मार्च 1839 | जन्म

> जमशेदजी टाटा भारत के महान उद्योगपति तथा विश्वप्रसिद्ध औद्योगिक घराने टाटा समूह के संस्थापक थे। उनका जन्म 3 मार्च 1839 में गुजरात के एक छोटे से कस्बे नवसारी में हुआ था, उनके पिता जी का नाम नौशेरवांजी व उनकी माता जी का नाम जीवनबाई टाटा था। जमशेदजी टाटा 1900 ईस्वी में जर्मनी के लिए अपनी बिजनेस यात्रा पर जा रहे थे। अपनी यात्राकाल में उनका स्वास्थ्य बहुत कमजोर हो गया और वे बीमार हो गए। 19 मई 1904 को जर्मनी के बेड नौहेइम शहर में जमशेदजी टाटा की मृत्यु हो गई। उस समय उनकी आयु 65 वर्ष थी।

बिना सोचे समझे और कड़ी मेहनत के कुछ भी हासिल नहीं होता

हमेशा पूर्णता का लक्ष्य रखें, तभी आप उत्कृष्टता प्राप्त कर पाएंगे। कभी भी आत्मसंदेह से किस चीज की शुरुआत ना करें, बल्कि आत्मविश्वास से शुरुआत करें। गुणवत्ता पहली इंजीनियर है तभी इसकी उम्मीद की जाती है। मेरी पैसा बनाने में कभी कोई रुचि नहीं रही है। मेरा कोई भी निर्णय इस बात से प्रभावित नहीं था कि इससे मुझे धन मिलेगा या दौलत। हमारी ज्यादातर परेशानी खराब क्रियान्वयन, गलत प्राथमिकताओं और अप्राप्य लक्ष्यों के कारण होती है। बिना सोचे समझे और कड़ी मेहनत के कुछ भी हासिल नहीं होता है। जिंदगी को थोड़ा खतरनाक तरीके से जिएं। यदि आप उत्कृष्टता चाहते हैं, तो आपको पूर्णता का लक्ष्य रखना चाहिए। इसकी कमियां हैं, लेकिन बारीक होना जरूरी है। एक नेता बनने के लिए आपको स्नेह के साथ मनुष्यों का नेतृत्व करना होगा। असामान्य विचारक पुनः उपयोग करते हैं, जिसे आम विचारक मना करते हैं। भौतिक दृष्टि से कोई भी सफलता या उपलब्धि तब तक सार्थक

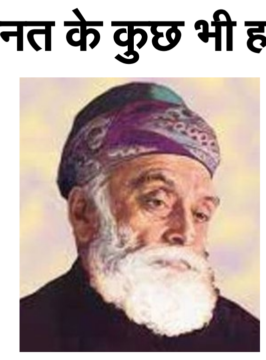

नहीं है जब तक कि वह देश और उसके लोगों की जरूरतों या हितों को पूरा न करे और निष्पक्ष और ईमानदार तरीकों से हासिल ना हुई हो। इसका समर्थन करने की शक्ति के बिना स्वतंत्रता और यदि आवश्यक हो, तो इसकी रक्षा करें, यह एक क्रूर भ्रम होगा। हमारे बीच एक तरह का दान आम है वह चिथड़े परोपकार है जो चीर-फाड़ करने वाले को कपड़े पहनाता है, गरीबों को खिलाता है और बीमारों को ठीक करता है। एक स्वतंत्र उद्यम में समुदाय न केवल एक अन्य हितधारक होता है बल्कि वास्तव में इसके अस्तित्व का मूल उद्देश्य होता है। मैं नहीं चाहता कि भारत एक आर्थिक महाशक्ति बने, मैं चाहता हूं कि भारत एक खुशहाल देश बने। पैसा खाद की तरह है। जब आप इसे ढेर करते हैं तो यह बदबू देता है, जब आप इसे फैलाते हैं तो यह बढ़ता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

मानसिक आरोग्य पर ज्यादा ध्यान दिया जाना चाहिए

दुनिया भर के कैदियों में दोबारा अपराध करना और मानसिक विकारों की उपस्थिति आम है। हालांकि, क्या मनोरोग संबंधी विकार दोबारा अपराध करने के जोखिम कारक हैं, यह अभी भी अज्ञात है। आपराधिक

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपराध में विनाशकारी कृत्यों, चोरी, यौन हमलों से लेकर चोट या मृत्यु का कारण बनने वाले शारीरिक हमलों तक व्यवहार की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

दीन, हीन, दरिद्र, अभागे, पतित, क्षुद्र, निराश प्रकृति के लोग सदा दुख और पतन की ही बात सोचते हैं, उन्हें दुर्भाग्य का ही रोना रोते और भविष्य के निराशा पूर्ण चित्र बनाते हुए ही देखा जाएगा। इन्हें संयोगवश कुछ सुख साधन मिल भी जाय तो भी उनकी वेषभूषा, मुखाकृति, भावभंगिमा निराश और दीन मनुष्यों जैसी ही मिलेगी। चोर, उठाईगीरे व्यभिचारी लम्पट, प्रकृति के लोग दूसरों के धन पर, रूप यौवन पर ही लार टपकाते रहते हैं। बेईमान, रिश्वतखोर, ठग, धोखेबाज, डाकू प्रकृति के

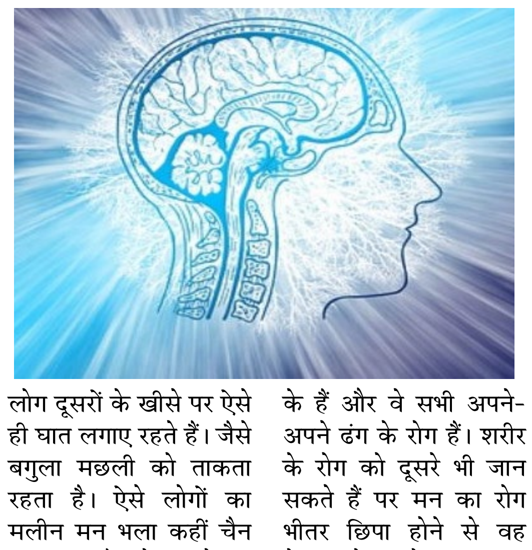

लोग दूसरों के खीसे पर ऐसे ही घात लगाए रहते हैं। जैसे बगुला मछली को ताकता रहता है। ऐसे लोगों का मलीन मन भला कहीं चैन पा सकता है? वे अभागे यह नहीं जानते कि मानसिक स्वच्छता की भी कोई स्थिति इस संसार में होती है और उसे प्राप्त करने वाला स्वर्गीय सुख शान्ति का अनुभव कर सकता है।

मनोविकार अगणित प्रकार के हैं और वे सभी अपने-अपने ढंग के रोग हैं। शरीर के रोग को दूसरे भी जान सकते हैं पर मन का रोग भीतर छिपा होने से वह केवल रोगी को ही दीखता है। इतना अन्तर तो अवश्य है बाकी कष्टों में कोई अन्तर नहीं। सच तो यह है कि शरीर के कष्ट से मन का कष्ट अधिक दुखदायी होता है। बुखार में पड़े रोगी को जितनी पीड़ा है, पुत्र शोक से संतप्त व्यक्ति को उससे कहीं अधिक है। सिर दर्द की तुलना में अपमान और असफलता का दुख गहरा है। क्रुद्ध और कामासक्त मनुष्य जितना असंतुलित दीखता है उतना जुकाम खांसी का मरीज नहीं। लोभी और स्वार्थी जितना पाप प्रवृत्त रहता है उतना भूखा और दरिद्र नहीं। रोगी मनुष्य स्वयं जितना व्यथित रहता है और दूसरों को जितना दुख देता है उसकी अपेक्षा मनोविकार ग्रस्त का क्षेत्र अधिक विस्तृत है। वह स्वयं भी अधिक दुख पाता है और दूसरे अधिक लोगों को अधिक मात्रा में सताता भी है। इसलिए शारीरिक आरोग्य की जितनी आवश्यकता अनुभव की जाती है, मानसिक आरोग्य पर उससे भी अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए।

शख्सियत | पृथ्वीपाल सिंह

'शॉर्ट कॉर्नर का राजा' एंव फील्ड हॉकी खिलाड़ी

पृथ्वीपाल सिंह एक भारतीय फील्ड हॉकी खिलाड़ी थे जो हाफबैक के रूप में खेलते थे। वह भारत की राष्ट्रीय टीम के सदस्य थे जिसने 1964 के टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक, 1960 के रोम ओलंपिक में क्रमशः रजत और कांस्य और 1968 के मैक्सिको ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। वे ऐसे पहले हॉकी खिलाड़ी थे, जिनको पहला अर्जुन पुरस्कार 1961 में प्रदान किया गया था, जिसके बाद 1967 में पद्म श्री प्रदान किया गया।

पृथ्वीपाल सिंह का जन्म 3 मार्च 1932 को ब्रिटिश भारत (अब पाकिस्तान में) के ननकाना साहिब शहर में हुआ था। उनके पिता सरदार वधावा सिंह चंडी एक स्कूल शिक्षक और कृषक थे। पृथ्वीपाल ने अपना बचपन ननकाना साहिब में बिताया और अपनी प्रारंभिक शिक्षा वहीं ली। भारत के विभाजन के बाद, परिवार पूर्वी पंजाब चला गया और पृथ्वीपाल ने 1956 में कृषि महाविद्यालय, लुधियाना से कृषि में मास्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की।बाद में जब कॉलेज को नव निर्मित पंजाब कृषि विश्वविद्यालय में मिला दिया गया तो उन्हें वहां पढ़ाना था। सिंह ने अपनी पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अकादमिक उत्कृष्टता के लिए योग्यता छात्रवृत्ति जीती। 1950 से 1956 तक, उन्होंने कृषि कॉलेज लुधियाना हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया और खेल और शिक्षा में उनकी सर्वांगीण उपलब्धियों के लिए उन्हें 'रोल ऑफ ऑनर्स' से सम्मानित किया गया। हॉकी कमेंटेटरों द्वारा सिंह को 'शॉर्ट कॉर्नर का राजा' उपनाम दिया गया था। वह तीव्र सजगता के लिए जाने जाते थे, उनकी लंबी और शक्तिशाली भुजाओं में जबरदस्त ताकत थी, जो दृढ़ और उभरे हुए शॉट पैदा करते थे, जिससे उन्हें हमेशा गोल और अक्सर विजेता मिलते थे।द इवनिंग पोस्ट (न्यूजीलैंड) ने 1961 में टिप्पणी की थी कि पृथ्वीपाल की मार के प्रकोप का सामना करना अपनी जान जोखिम में डालना है।

एक अन्य लेखक ने टिप्पणी की कि यदि अर्जुन महाभारत युद्ध के महारथी (महान योद्धा) थे, तो पृथ्वीपाल महारथी थे। सिंह की 20 मई 1983 को लुधियाना में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में छात्रों द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।दूसरों का दावा है कि उन्हें राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों या हॉकी प्रतिद्वंद्वियों की गहरी साजिश द्वारा गोली मार दी गई थी, क्योंकि उनकी हत्या अनसुलझी है।

अपने विचार

मैं उनके पाप धोने के लिए वहां गया था, लेकिन वे अपने पाप छिपाने के लिए लंदन जाते हैं... वे अब महाकुंभ को भी बदनाम कर रहे हैं। वे अपने आसपास हो रही अच्छी चीजों को पचा नहीं पा रहे हैं।

-एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री,महाराष्ट्र

यदि केंद्र सरकार वास्तव में दक्षिणी राज्यों के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करना चाहती है तो उन्हें यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या परिसीमन प्रक्रिया हालिया जनसंख्या के आंकड़ों या लोकसभा सीट की वर्तमान संख्या के आधार पर होगी।

-सिद्धरमैया, मुख्यमंत्री, कर्नाटक

चुनाव आयोग देश के संविधान और लोकतंत्र के लिए कैंसर बन चुका है। वह बीजेपी के चीयरलीडर की तरह काम कर रहा है।

-तेजस्वी यादव, नेता प्रतिपक्ष, बिहार

40 साल राजनीति करने के बाद उन्हें पलायन की याद आ रही है, कह रहे है कि पलायन रोका जाएगा। लेकिन कैसे ये नहीं बताया।

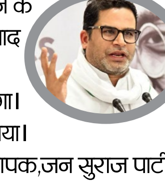

-प्रशांत किशोर,संस्थापक,जन सुराज पार्टी

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार)।

विनायक चतुर्थी व्रत 3 मार्च को, जानें पूजा का मुहूर्त व विधि

विनायक चतुर्थी भगवान गणेश को समर्पित है। जिस व्यक्ति पर गणेश जी की कृपा बनी रहती है, उसके जीवन में सुख-समृद्धि और खुशियां भी बनी रहती हैं। पंचांग अनुसार, फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन विनायक चतुर्थी का व्रत रखा जाएगा। विनायक चतुर्थी के शुभ मौके पर शुभ मुहूर्त में गणेश जी की पूजा करने से जीवन के कष्टों को दूर किया जा सकता है। हर माह में एक बार विनायक चतुर्थी का व्रत रखा जाता है। मार्च के महीने में यह व्रत शुरुआती दिनों में पड़ रहा है। आइए जानते हैं विनायक चतुर्थी के दिन गणेश जी की पूजा की विधि व मुहूर्त-

पूजा का मुहूर्त

ब्रह्म मुहूर्त 05 :05 एएम से 05 :55 एएम
अभिजित मुहूर्त 12 :10 पी एम से 12 :56 पी एम
विजय मुहूर्त 14 :30 पी एम से 15 :16 पी एम
गोधूलि मुहूर्त 18 :20 पी एम से 18 :45 पी एम
अमृत काल 21 :56 पी एम से 23 :24 पी एम
रवि योग 04 :29 एएम, मार्च 04 से 06 :43एएम, मार्च 04

विनायक चतुर्थी व्रत 3 मार्च को: हिन्दू पंचांग के अनुसार, फाल्गुन मास की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि मार्च 02, 2025 को रात 09 :01 बजे से प्रारम्भ होगी। इस तिथि का समापन मार्च 03, 2025 को शाम 06 :02 बजे तक होगा। दृक पंचांग के अनुसार, विनायक चतुर्थी का व्रत सोमवार को मार्च 3, 2025 को रखा जाएगा।

विनायक चतुर्थी पूजा-विधि

1- भगवान गणेश जी का जलाभिषेक करें
2- गणेश भगवान को पुष्प, फल चढ़ाएं और पीला चंदन लगाएं
3- तिल के लड्डू या मोदक का भोग लगाएं
4- विनायक चतुर्थी की कथा का पाठ करें
5- ॐ गं गणपतये नम: मंत्र का जाप करें
6- पूरी श्रद्धा के साथ गणेश जी की आरती करें
7- चंद्रमा के दर्शन करें और अर्घ्य दें
8- व्रत का पारण करें
9- क्षमा प्रार्थना करें

भगवान शिव प्रसन्न होकर देते हैं अपार सुख संपदा

महाशिवरात्रि का व्रत फाल्गुन मास की कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को किया जाता है। मान्यता है कि सृष्टि के प्रारम्भ में इसी दिन मध्य रात्रि भगवान शंकर का ब्रह्मा से रुद्र के रूप में अवतरण हुआ था। प्रलय की वेला में इसी दिन प्रदोष के समय भगवान शिव तांडव करते हुए ब्रह्माण्ड को तीसरे नेत्र की ज्वाला से समाप्त कर देते हैं। इसीलिये इसे महाशिवरात्रि अथवा कालरात्रि कहा गया है। देवों के देव महादेव के इस व्रत का विशेष महत्व है। इस व्रत को सभी कर सकते हैं। विधि विधान से तथा स्वच्छ भाव से जो भी यह व्रत रखता है, भगवान शिव प्रसन्न होकर उसे अपार सुख संपदा प्रदान करते हैं।
विधान- त्रयोदशी को एक बार भोजन करके चतुर्दशी को दिन भर निराहार रहना पड़ता है। पत्र पुष्प तथा सुंदर वस्त्रों से मंडप तैयार करके वेदी पर कलश की स्थापना करके गौरी शंकर की स्वर्ण मूर्ति तथा नन्दी की चांदी की मूर्ति रखनी चाहिए। कलश को जल से भरकर रोली, मोली, चावल, पान, सुपारी, लौंग, इलायची, चंदन, दूध, घी, शहद, कमलगट्टा, धतूरा, बेल पत्र आदि का प्रसाद शिव को अर्पित करके पूजा करनी चाहिए। रात को जागरण करके चार बार शिव आरती का विधान जरूरी है। दूसरे दिन प्रातः जौ, तिल, खीर तथा बेलपत्र का हवन करके ब्राह्मणों को भोजन करवाकर व्रत का पारण करना चाहिए।
भगवान शंकर पर चढ़ाया गया नैवेद्य को खाना निषिद्ध है। जो इस नैवेद्य को खा लेता है वह नरक को प्राप्त होता है। इस कष्ट के निवारण के लिए शिव की मूर्ति के पास शालिग्राम की मूर्ति रखते हैं। यदि शिव की प्रतिमा के पास शालिग्राम की मूर्ति होगी तो नैवेद्य खाने पर कोई दोष नहीं लगता है।
भगवान शिव और उनका नाम समस्त मंगलों का मूल है। वे कल्याण की जन्मभूमि तथा परम कल्याणमय हैं। समस्त विद्याओं के मूल स्थान भी भगवान शिव ही हैं। ज्ञान, बल, इच्छा और क्रिया शक्ति में भगवान शिव के जैसा कोई नहीं है। वे सभी के मूल कारण, रक्षक, पालक तथा नियन्ता होने के कारण महेश्वर कहे जाते हैं। उनका आदि और अंत न होने से वे अनंत हैं।

रामचरितमानस- जानिये भाग-8 में क्या क्या हुआ

जो परमेश्वर एक है, जिसकी कोई इच्छा नहीं है, जिसका कोई रूप और नाम नहीं है, जो अजन्मा, सच्चिदानन्द और परमधाम है और जो सबमें व्यापक एवं विश्व रूप हैं, उन्हीं भगवान ने दिव्य शरीर धारण करके नाना प्रकार की लीला की है।

पुण्यं पापहरं सदा शिवकरं विज्ञानभक्तिप्रदं
मायामोहमलापहं सुविमलं प्रेमाम्बुपूरं शुभम्।
श्रीमद्रामचरित्रमानसमिदं भक्त्यावगाहन्ति ये
ते संसारपतङ्गघोरकिरणैर्दह्यन्ति नो मानवाः॥
जौं बरषइ बर बारि बिचारू। हो हिं कबित मुकुतामनि चारू॥
गोस्वामी जी कहते हैं कि यदि काव्य में श्रेष्ठ विचार रूपी जल बरसता है तो वह मुक्ता मणि के समान सुंदर कविता (काव्य) होती है॥
जुगुति बेधि पुनि पोहिअहिं रामचरित बर ताग।
पहिरहिं सज्जन बिमल उर सोभा अति अनुराग॥
उन कविता रूपी मुक्तामणियों को युक्ति से बेधकर फिर रामचरित्र रूपी सुंदर तागे में पिरोकर सज्जन लोग अपने निर्मल हृदय में धारण करते हैं, जिससे उनके हृदय में भगवान राम के प्रति अति अनुराग बढ़ता है।
जे जनमे कलिकाल कराला। करतब बायस बेष मराला॥
चलत कुपंथ बेद मग छाँड़े। कपट कलेवर कलि मल भाँड़े॥
जो कराल कलियुग में जन्मे हैं, जिनकी करनी कौए के समान है और वेष हंस जैसा है, जो वेदमार्ग को छोड़कर कुमार्ग पर चलते हैं, जो कपट की मूर्ति और कलियुग के पापों के वाहक हैं॥
बंचक भगत कहाइ राम के। किंकर कंचन कोह काम के॥
तिन्ह महँ प्रथम रेख जग मोरी। धींग धरम ध्वज धंधक धोरी॥
जो श्री रामजी के भक्त कहलाकर लोगों को ठगते हैं, जो धन (लोभ), क्रोध और काम के गुलाम हैं और जो धर्म की झूठी ध्वजा फहराने वाले दम्भी और कपट के धन्धों का बोझ ढोने वाले हैं, संसार के ऐसे लोगों में सबसे पहले मेरी गिनती है॥
जौं अपने अवगुन सब कहऊँ। बाढ़इ कथा पार नहिं लहऊँ ॥
ताते मैं अति अलप बखाने। थोरे महुँ जानिहहिं सयाने ॥
यदि मैं अपने सब अवगुणों को कहने लगूँ तो कथा बहुत बढ़ जाएगी और मैं पार नहीं पाऊँगा। इससे मैंने बहुत कम अवगुणों का वर्णन किया है। बुद्धिमान लोग थोड़े ही में समझ लेंगे॥
समुझि बिबिधि बिधि बिनती मोरी। कोउ न कथा सुनि देइहि खोरी॥
एतेहु पर करिहहिं जे असंका। मोहि ते अधिक ते जड़ मति रंका॥
मेरी अनेकों प्रकार की विनती को समझकर, कोई भी इस कथा को सुनकर दोष नहीं देगा। इतने पर भी जो शंका करेंगे, वे तो मुझसे भी अधिक मूर्ख और बुद्धि के कंगाल हैं॥
कबि न होउँ नहिं चतुर कहावउँ। मति अनुरूप राम गुन गावउँ॥
कहँ रघुपति के चरित अपारा। कहँ मति मोरि निरत संसारा॥
गोस्वामी जी स्वयं को तुच्छ मानते हुए कहते हैं---
मैं न तो कवि हूँ, न चतुर हूँ, बस अपनी बुद्धि के अनुसार श्री रामजी के गुण गाता हूँ। कहाँ तो श्री रघुनाथजी के अपार चरित्र, कहाँ संसार में आसक्त मेरी बुद्धि।
जेहिं मारुत गिरि मेरु उड़ाहीं। कहहु तूल केहि लेखे माहीं॥
समुझत अमित राम प्रभुताई। करत कथा मन अति कदराई॥
जिस हवा से सुमेरु जैसे पहाड़ उड़ जाते हैं, कहिए तो, उसके सामने रूई किस गिनती में है। श्री रामजी की असीम प्रभुता को समझकर कथा रचने में मेरा मन बहुत हिचकता है।
सारद सेस महेस बिधि आगम निगम पुरान।
नेति नेति कहि जासु गुन करहिं निरंतर गान॥
सरस्वतीजी, शेषजी, शिवजी, ब्रह्माजी, शास्त्र, वेद और पुराण- ये सब 'नेति-नेति' कहकर सदा जिनका गुणगान किया करते हैं॥
सब जानत प्रभु प्रभुता सोई। तदपि कहें बिनु रहा न कोई॥
तहाँ बेद अस कारन राखा। भजन प्रभाउ भाँति बहु भाषा॥
यद्यपि प्रभु श्री रामचन्द्रजी की प्रभुता को सब जानते हैं, तथापि कहे बिना कोई नहीं रहता। इसमें वेद ने ऐसा कारण बताया है कि भजन का प्रभाव बहुत तरह से कहा गया है। (अर्थात भगवान की महिमा का पूरा वर्णन तो कोई कर नहीं सकता, परन्तु जिससे जितना बन पड़े उतना भगवान का गुणगान करना चाहिए, क्योंकि भगवान के गुणगान रूपी भजन का प्रभाव बहुत ही अनोखा है, उसका नाना प्रकार से शास्त्रों में वर्णन है। थोड़ा सा भी भगवान का भजन मनुष्य को सहज ही भवसागर से तार देता है)
एक अनीह अरूप अनामा। अज सच्चिदानंद पर धामा॥
ब्यापक बिस्वरूप भगवाना। तेहिं धरि देह चरित कृत नाना॥
जो परमेश्वर एक है, जिसकी कोई इच्छा नहीं है, जिसका कोई रूप और नाम नहीं है, जो अजन्मा, सच्चिदानन्द और परमधाम है और जो सबमें व्यापक एवं विश्व रूप हैं, उन्हीं भगवान ने दिव्य शरीर धारण करके नाना प्रकार की लीला की है॥
सो केवल भगतन हित लागी। परम कृपाल प्रनत अनुरागी॥
जेहि जन पर ममता अति छोहू। जेहिं करुना करि कीन्ह न कोहू॥
वह लीला केवल भक्तों के हित के लिए ही है, क्योंकि भगवान परम कृपालु हैं और शरणागत के बड़े प्रेमी हैं। जिनकी भक्तों पर बड़ी ममता और कृपा है, जिन्होंने एक बार जिस पर कृपा कर दी, उस पर फिर कभी क्रोध नहीं किया॥

मौन साधना का महात्म्य

महर्षि वेदव्यास गणेश जी के वाणी-संयम व मौन-व्रत को देखकर दंग थे। महर्षि ने जब तक गणेशजी को महाभारत लिपिबद्ध कराया, गणेश जी ने एक बार भी मौन भंग नहीं किया, वे केवल लेखन-कार्य में ही जुटे रहे। महाभारत लेखन पूर्ण होने पर वेदव्यास ने पूछ ही लिया, 'पार्वती पुत्र, तुम्हारे लंबे समय तक एकाग्रता में जुटे रहने का क्या रहस्य है?' गणेशजी ने उत्तर दिया, 'महर्षि, सिद्धि को प्राप्त करने का मूल आधार प्राण- शक्ति को संचित किए रखना है। वाणी का संयम ही मन-मस्तिष्क को एकाग्र रखने का अचूक साधन है। वाणी पर संयम न कर पाने वाला व्यक्ति अनर्गल बोलकर तरह-तरह के विवादों में फंसता है। वाणी का उपयोग बहुत सोच-समझकर ही करना चाहिए। वाणी से निकले अर्थहीन शब्द विग्रह और द्वेष को जन्म देते हैं। वाणी का असंयम हमारी प्राणशक्ति को चूस लेता है। अतः मैं मौन-व्रत को सबसे बड़ी साधना मानता हूं।' महर्षि वेदव्यास गणेशजी से मौन-साधना के महत्व को पूरी तरह समझकर गद्गद हो उठे।

रावण की मौत के बाद माता सीता से क्यों मिली थी शूर्पणखा? आप भी नहीं जानते होंगे ये बात

रावण की मृत्यु के बाद माता सीता से शूर्पणखा का मिलना एक दिलचस्प और महत्वपूर्ण घटना है, जो रामायण में वर्णित है। शूर्पणखा, रावण की बहन थी और उसकी कहानी का संबंध राम के वनवास, माता सीता के हरण और रावण से जुड़ी घटनाओं से है। रावण के द्वारा माता सीता के हरण के बाद शूर्पणखा का एक महत्वपूर्ण स्थान था। उसकी सीता से मुलाकात के पीछे कुछ गहरे मनोवैज्ञानिक और ऐतिहासिक कारण थे।
पौराणिक कथाओं के अनुसार , रावण की मृत्यु के बाद शूर्पणखा को अपनी हार और अपमान का एहसास हुआ। उसने रावण की मृत्यु के बाद अपने भाई के कृत्य के

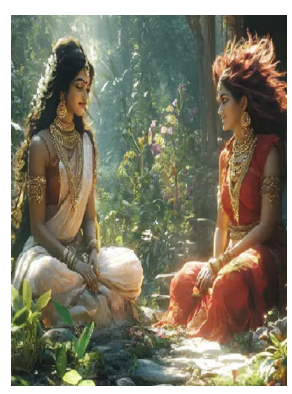

परिणामस्वरूप विध्वंस और विनाश देखा। शूर्पणखा के लिए यह समय खुद को ढूंढने और अपने अतीत के कृत्यों पर पुनर्विचार करने का था। उसने देखा कि उसका भाई रावण अपनी अहंकार और अत्याचार के कारण नष्ट हुआ। यह देख वह खुद को अपराधी और अपमानित महसूस करने लगी।
शूर्पणखा ने जब रावण की मृत्यु के बाद माता सीता को देखा तो उसने उनसे मिलने का निर्णय लिया। उसका मुख्य उद्देश्य यह था कि वह सीता से कुछ सलाह ले सके और अपने कर्मों पर पछतावा व्यक्त कर सके। शूपर्णखा का यह मानना था कि सीता, जो एक आदर्श और पतिव्रता स्त्री हैं, शायद उसे भी अपने गलत रास्ते पर चलने के लिए कुछ शिक्षा दे सकती हैं।
शूर्पणखा ने रावण के साथ अपने कृत्य-राक्षसी प्रवृत्तियों के कारण पछतावा और आत्मग्लानि महसूस की। माता सीता के पास जाने का एक और कारण यह भी हो सकता है कि शूर्पणखा चाहती थी कि सीता उसे अपने गलत कृत्यों से उबारने के लिए मार्गदर्शन दे। उनके लिए सीता एक आदर्श का प्रतीक थीं और वह चाहती थी कि वह भी अपनी आत्मा को शुद्ध कर सके।
शूर्पणखा की सीता से मुलाकात के समय, यह स्पष्ट था कि वह अपनी राक्षसी प्रवृत्तियों से मुक्त होना चाहती थी। हालांकि, माता सीता ने शूर्पणखा के साथ कोई सहानुभूति नहीं जताई क्योंकि उसने पहले राम और लक्ष्मण के साथ छल किया था। माता सीता ने कहा कि हर व्यक्ति के कर्मों का परिणाम उसे जीवन के किसी ना किसी मोड़ पर भुगतना ही पड़ता है।

मछुआरे नहीं बल्कि राजा की पुत्री थीं भीष्म पितामह की सौतेली मां सत्यवती, जानिए ये कथा

महाभारत की कई कथाओं के बारे में तो हम सभी ने सुना है। लेकिन कई कथाएं ऐसी भी हैं, जो व्यक्ति को चकित कर सकती हैं। महाभारत काल में महाराज शांतनु की दूसरी पत्नी का नाम सत्यवती थी। ऐसे में आज हम आपको सत्यवती के जन्म की कथा के बारे में बताने जा रहे हैं। यह कथा बहुत रोचक है। क्योंकि अधिकतर लोग सत्यवती को मछुआरे के मुखिया दासा की पुत्री के रूप में जानते हैं। लेकिन असल में रानी सत्यवती मछुआरे की नहीं बल्कि एक राजा की पुत्री थीं। तो आइए जानते हैं सत्यवती के जन्म की कथा के बारे में...

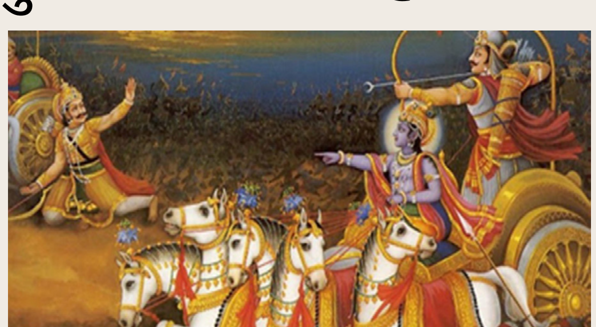

जानिए पौराणिक कथा

पौराणिक कथा के मुताबिक एक बार राजा सुधन्वा एक बार वन में शिकार खेलने गए। इसी दौरान उनकी पत्नी रजस्वला हो गई और उनके मन में गर्भधारण करने की इच्छा जागृत हुई। तब रानी ने एक पक्षी द्वारा राजा तक यह संदेश भिजवाया। तब राजा ने एक पात्र में अपना वीर्य देकर पक्षी से उसको रानी तक ले जाने के लिए कहा। लेकिन तभी पक्षी से वीर्य नदी में गिर गया। तब नदी में मछली ने उस वीर्य का ग्रहण कर लिया। जोकि असल में एक अप्सरा थी, लेकिन ब्रह्मदेव द्वारा दिए गए श्राप की वजह से मछली में परिवर्तित हो गई।

मछली से उत्पन्न हुए लड़का और लड़की

वह मछली गर्भवती हो गई और एक दिन उसे मछुआरे ने पकड़ लिया। विशाल होने की वजह से वह मछली को राजा सुधन्वा के दरबार में ले गया। वहीं जब मछली का पेट चीरा गया, तो उसमें एक लड़का और एक लड़की निकली। राजा ने लड़के को अपने पास रख लिया और लड़की को मछुआरे को सौंप दिया।

ऋषि पराशर ने दिया वरदान

बता दें कि मछुआरे ने बड़े लाड़-प्यार से उस कन्या को पाला था। जैसे-जैसे वह बड़ी होती गईं, वैसे-वैसे ही बहुत खूबसूरत भी होती रही। मछुआरों की बस्ती में रहने की वजह से उनका नाम मत्स्यगंधा पड़ गया। आगे चलकर ऋषि पराशर ने मत्संयगंधा को यह वरदान दिया था कि उसके शरीर से एक उत्तम सुगंध निगलेंगी। जिसके बाद वह सत्यवती कहलाई।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष: व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बेचैनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। मान-सम्मान मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृष: यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य प्रभावित होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मिथुन: जल्दबाजी से चोट लग सकती है। दूर से शोक समाचार मिल सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी अपने ही व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। थकान व कमजोरी रह सकती है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा।

कर्क: कानूनी अड़चन दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। नौकरी में शांति रहेगी।

सिंह: पुराना रोग उभर सकता है। दूर से दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। किसी व्यक्ति के व्यवहार से अप्रसन्नता रहेगी। अपेक्षित कार्य विलंब से होंगे। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे।

कन्या: जल्दबाजी न करें। कोई समस्या खड़ी हो सकती है। शरीर शिथिल हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। भूमि व भवन इत्यादि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी।

तुला: धनहानि संभव है, सावधानी रखें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से बचें। शत्रु शांत रहेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृश्चिक: अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। तनाव रहेगा। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु: शत्रु सक्रिय रहेंगे। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा।

मकर: धन प्राप्ति सुगम तरीके से होगी। नई योजना बनेगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने में रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से मनोनुकूल लाभ होगा।

कुंभ: पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत का आशीवार्द मिल सकता है। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेंगे। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन: घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विरोध होगा। विवाद से क्लेश होगा, इससे बचें।

भाग्यशाली हाथ की पहचान

हाथ में कई ऐसी रेखाएं है जो हमारे जीवन की हमें सटीक जानकारी देती हैं। ऐसे व्यक्ति बहुत भाग्यशाली होते है। ऐसे व्यक्तियों को अपने जीवन के हर क्षेत्र में सफलता मिलती है ।
अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर भाग्य रेखा चंद्र माँ के क्षेत्र से प्रारम्भ होती है तो उस व्यक्ति का हर काम सफल होता है। और उसे अपने जीवन में मान-सम्मान भी खूब प्राप्त होता है।
वही अगर किसी की हथेली पर भाग्य रेखा जीवन से प्रारम्भ हो, उस व्यक्ति को अपने जीवन में धन से संबंधित परेशानियों का कभी सामना नहीं करना पड़ता।
हस्तरेखा हाथो की लकीरें हमारे जीवन के बारे में बहुत कुछ बताती है, पर कई लोग इस बात पर विश्वास नहीं करते।
लेकिन हमारे हाथ में कई ऐसी रेखाएं है जो हमारे जीवन की हमें सटीक जानकारी देती है। हमारे शरीर में हर चीज़ हमें एक संकेत देती है। जैसे अगर हमें कोई चोट

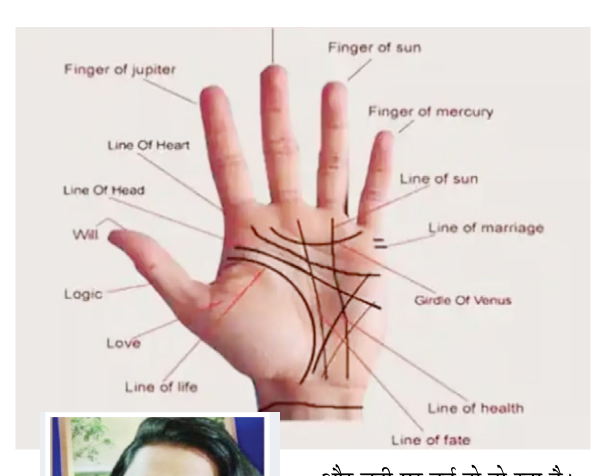

प्रियंका जैन
9769994439

लग जाती है तो हमें हमारा दिमाग बताता है कि कहा चोट लगी है और वही पर दर्द हो हो रहा है।
उसी प्रकार हमारे हाथो की लकीरें भी समय समय पर बदल जाती है। और हमें बताती है कि हमारे जीवन में कैसे बदलाव आ रहे है बस ज़रूरत है उन्हें समझने कि।
अगर हम उन्हें समझ गए तो जीवन में कामयाब होने से कोई रोक नहीं पाएगा। हस्तशास्त्र में, हाथ के लकीरों कि व्याख्या कि गयी है।
हम हाथो कि हर लकीर को तो नहीं पढ़ सकते क्योंकि इसके लिए हमें हस्तशास्त्र पढ़ना पड़ेगा।
M रेखा वाले –
जिन लोगो के हाथो में M का निशान बनता है वो लोग बहुत ही बुद्धिमान होते है और आत्मविश्वास से भरे होते है। ऐसा इंसान जीवन में खूब तरक्की करता है और हमेशा ख़ुशी का जीवन जीता है। ऐसे इंसान की छः इन्द्रियाँ (Sixth Sense) बहुत तेज़ होती है। इसलिए ऐसे लोगो से कभी झूठ न बोले, नहीं तो आप पकड़े जाएंगे।
X निशान वाले –
1 रिसर्च पर 2 million लोगो पर रिसर्च की गई जिसमे ये पाया गया की जिन लोगो के हाथो में X का निशान बनता है वे लोग जीवन में बहुत ही कामयाब और लोकप्रिय होते है। ऐसे लोगो को जीवन में पैसे की कोई कमी नहीं रहती। तो अगर आपके हाथ में भी X बनता है तो आप भी एक दिन ज़रूर कामयाब होंगे। पर मेहनत हर काम के लिए ज़रूरी है।

न्यूज़ ब्रीफ

फाइनेंस कंपनी के प्रबंधक से मारपीट, केस दर्ज

बड़हलगंज। बड़हलगंज स्थित चोला मंडलम इन्वेस्टमेंट व फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के शाखा प्रबंधक दीपक कुमार तिवारी ने अपने पूर्व कर्मचारी उमेश तिवारी पर मारपीट का आरोप लगाया हैं। पुलिस केस दर्ज कर मामले की पड़ताल में जुटी है। तहरीर में प्रबंधक दीपक कुमार तिवारी ने कहा है कि वह अपने बड़हलगंज शाखा में 28 फरवरी की शाम एआरएम अभिषेक कुमार के साथ बैठकर कंपनी का कार्य कर रहा था। इस बीच पूर्व कर्मचारी उमेश तिवारी चार लोगों के साथ पहुंच कर मारपीट करने लगा, जिससे दोनों लोग घायल हो गए। अभिषेक का सिर फट गया। पुलिस ने उमेश व एक अज्ञात खिलाफ केस दर्ज कर जांच में लगी है।

अयोध्या में दो मार्ग होंगे चौड़े

अयोध्या। वैश्विक पर्यटन नगरी की राह पर अग्रसर अयोध्या में सड़कों के जाल को दुरुस्त करने की कवायद तेज हो गई है। राज्य सड़क निधि से जिले के दो अतिरिक्त जिला मार्ग का चौड़ीकरण तथा सुदृढ़ीकरण किया जाएगा, जिसपर कुल 28.46 करोड़ रूपये की लागत आएगी। वहीं रामवनगमन मार्ग पर पड़ने वाले दशरथपुर-गयासपुर संपर्क मार्ग को 17 करोड़ 44 लाख रूपये से चौड़ा किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग ने अतिरिक्त जिला मार्ग के रूप में चिन्हित जिले के रौजागांव से पड़ोसी जिले बाराबंकी के अलियाबाद को जोड़ने वाले मार्ग पर 10.300 किमी लंबी सड़क के चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण के लिए 20 करोड़ लागत की योजना से काम कराने की प्रक्रिया शुरू की है। वहीं शासन ने अतिरिक्त जिला मार्ग की सूची में ही शामिल मवई-पटरंगा-अलियाबाद मार्ग पर 3.500 किमी लंबी सड़क के चौड़ीकरण के लिए पांच वर्ष के अनुरक्षण लागत और जीएसटी के साथ 846.59 लाख रूपये का बजट स्वीकृत किया है तथा कार्य शुरू कराने के लिए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 165.38 लाख रूपये का बजट अवमुक्त किया है। यह दोनों सड़कें फैजाबाद लोक सभा क्षेत्र में आने वाली बाराबंकी जिले की दरियाबाद विधानसभा और इसके मुख्यालय को जिले से जोड़ती है। इस बाबत लखनऊ मुख्यालय से प्रमुख अभियंता (विकास) ने पत्र भेजा है।

आकाश आनंद पर टूटा मायावती का भरोसा

BSP चीफ ने अशोक सिद्धार्थ को बताया जिम्मेदार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के सियासी दल बहुजन समाज पार्टी में बड़ा फेरबदल हुआ है। पार्टी को दो नए नेशनल को-ऑर्डिनेटर मिले हैं। आकाश आनंद को पार्टी के सभी पदों से हटा दिया गया है और उनकी जगह उनके पिता और पार्टी महासचिव आनंद कुमार और राज्यसभा सांसद राम जी गौतम को बीएसपी का नेशनल को-ऑर्डिनेटर बनाया गया है। मायावती ने आकाश आनंद को सभी पदों से हटाने के पीछे आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ को जिम्मेदार बताया है। मायावती ने कहा मेरे जीते जी कोई पार्टी का उत्तराधिकारी नहीं बनेगा। इसके साथ ही, उन्होंने पार्टी और आंदोलन के हित में बीएसपी के जन्मदाता और संस्थापक कांशीराम के बारे में यह भी बताया कि कैसे उन्होंने अपने रिश्ते-नातों आदि को पार्टी में कार्य करने के लिए, कभी भी मना नहीं किया था, लेकिन इस मामले में उनका यह भी कहना था, 'वे भी अर्थात् मेरे रिश्ते-नाते भी पार्टी में अन्य लोगों की तरह ही कार्य कर सकते हैं लेकिन अगर इसकी आड़ में जिस दिन वे मेरे नाम का दुरुपयोग करके पार्टी और आंदोलन को नुकसान पहुंचायेंगे, उसी दिन मैं तुरंत उन्हें पार्टी से निकाल दूंगा। इसके कई उदाहरण हैं और इस मामले में पंजाब के लोग तो अच्छी तरह से जानते हैं।'

पार्टी और आंदोलन के हित में पार्टी से निकाल कर बाहर किया है

मायावती ने आगे कहा, स्मान्यवर काशीराम के पदचिन्हों पर चलकर मैंने भी उनकी एक ईमानदार व निष्ठावान शिष्या एवं उत्तराधिकारी होने के नाते अशोक सिद्धार्थ और आकाश आनंद को पार्टी और आंदोलन के हित में पार्टी से निकाल कर बाहर किया है, जिसने उत्तर प्रदेश सहित पूरे देश में पार्टी को दो गुटों में बांटकर इसे कमजोर करने का घिनौना कार्य किया है। ये कतई बर्दास्त करने लायक नहीं है और यह सब उनकी लड़के की शादी में भी देखने के लिए मिला है। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक इस मामले में आकाश आनंद का सवाल है, तो आपको यह मालूम है कि अशोक सिद्धार्थ की लड़की के साथ इनकी शादी हुई है और अब अशोक सिद्धार्थ को पार्टी से निकालने के बाद उस लड़की पर अपने पिता का कितना प्रभाव पड़ता है और आकाश पर भी उसकी लड़की का कितना प्रभाव पड़ता है।

सड़क हादसे में तीन की मौत, सात घायल

मुरादाबाद। मुरादाबाद के थाना कटघर थाना क्षेत्र में रविवार की सुबह तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। खराब ट्रक को धक्का लगा रहे लोगों को पीछे से आ रहे दूसरे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई जबकि सात लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए निजी चिकित्सालय ले जाया गया है। हादसे का शिकार सभी लोग उत्तर प्रदेश के जनपद लखीमपुर खीरी के रहने वाले हैं। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना कटघर क्षेत्र के दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर शनिवार को दिल्ली से लखीमपुर जा रहा एक ट्रक अचानक खराब हो गया। आज तड़के ट्रक खराब होने पर कुछ लोग उसमें धक्का लगने लगे। इसी बीच पीछे से आ रहे तेज रफ्तार दूसरे ट्रक ने इन लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में

शम्भु (45 वर्ष) पुत्र बाबू सिंह निवासी गांव चोरा लखीमपुर खीरी, लवकुश (29 वर्ष) पुत्र मूलचंद्र निवासी गांव मिठौली थाना ईरा लखीमपुर खीरी और अशोक (40 वर्ष) पुत्र चंद्रिका प्रसाद निवासी लखीमपुर खीरी की मौके पर ही मौत हो गई। इसके अलावा डीसीएम का हेल्पर राकेश (35 वर्ष), रामलखन पुत्र रघुराज (40 वर्ष) निवासी गोपालपुर थाना ईशानगर लखीमपुर, चेतराम पुत्र छब्बाराज (45 वर्ष), मोहित पुत्र विनोद (32 वर्ष), शांति देवी (48 वर्ष), शम्भू देवी पत्नी स्वर्गीय छुट्टन (50 वर्ष) निवासी फूलपुर मुनिया जिला सीतापुर, विनोद पुत्र जसकरन (32 वर्ष) आदि घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक नगर कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि आज कटघर क्षेत्र के कल्याणपुर पुलिया के पास तेज रफ्तार ट्रक ने दूसरे वाहन में टक्कर मार दी। इसके बाद ट्रक पलट गया था। हादसे में ट्रक में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल भिजवाया गया। मृतकों व घायलों के परिजन मुरादाबाद पहुंच रहे हैं।

मस्जिद में बिना इजाजत बजाया लाउडस्पीकर

मौलवी पर केस दर्ज

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के जहानाबाद इलाके में एक मस्जिद के मौलवी के खिलाफ लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से जुड़े नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। जहानाबाद थाना प्रभारी मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि सब-इंस्पेक्टर वरुण की शिकायत पर यह केस दर्ज किया गया। शिकायत में कहा गया कि 1 मार्च दोपहर को काजीतोला की एक मस्जिद के मौलवी ने नमाज के दौरान लाउडस्पीकर तेज आवाज में बजाया जा रहा था। मिश्रा के अनुसार, मौलवी अशफाक को 25 फरवरी को ही लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से जुड़े प्रतिबंधों के बारे में जानकारी दी गई थी। नियमों के मुताबिक, बिना सक्षम अधिकारी की अनुमति के लाउडस्पीकर या सार्वजनिक अनाउंसमेंट सिस्टम का उपयोग नहीं किया जा सकता।

'अनुमति पत्र नहीं दिखा सके'

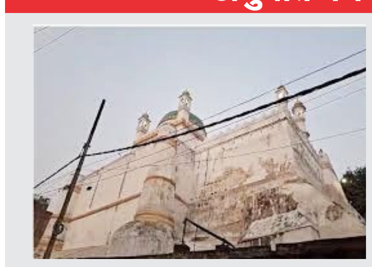

उन्होंने बताया कि मौलवी 28 फरवरी की शाम को भी नमाज और अजान के दौरान लाउडस्पीकर का इस्तेमाल कर रहे थे और जब उनसे अनुमति पत्र मांगा गया तो वह कोई दस्तावेज नहीं दिखा सके। इसके बाद, मौलवी के खिलाफ बीएनएस की धारा 223 (सरकारी आदेश की अवहेलना), 270 (सार्वजनिक उपद्रव) और 293 (निषेधाज्ञा के बावजूद उपद्रव जारी रखना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस समय 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं। तेज आवाज से परीक्षा देने वाले छात्रों और गंभीर रूप से बीमार लोगों को परेशानी हो रही थी, जिसके चलते यह कार्रवाई की गई। गोरखपुर के घोष कंपनी चौराहा के पास स्थित एक मस्जिद की प्रबंधन समिति ने शनिवार को उसके दो अवैध मंजिलों को गिराने की प्रक्रिया शुरू कर दी। गोरखपुर विकास प्राधिकरण (GDA) ने इसे बिना मंजूरी के बना हुआ निर्माण बताया था। शनिवार सुबह से मस्जिद समिति ने 15 मजदूरों की मदद से ढांचे को हटाने का काम शुरू किया। यह कदम GDA की 15 दिन की समय सीमा समाप्त होने के बाद उठाया गया। GDA ने चेतावनी दी थी कि अगर तय समय में निर्माण नहीं हटाया गया तो प्रशासन खुद कार्रवाई करेगा।

फूड प्लाजा की तरह एक्सप्रेस-वे के दोनों ओर अस्पताल भी हों

सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में CM योगी ने दिए निर्देश

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक ली। इस दौरान संबंधित विभागों के मंत्री, शासन स्तर के अधिकारी, सभी मंडलों के मंडलायुक्त, सभी जनपदों के जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर एवं पुलिस अधीक्षक मौजूद रहे। बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सड़क दुर्घटनाओं के वार्षिक आंकड़ों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में 46052 सड़क दुर्घटनाएं हुई हैं। इसमें 34600 लोग घायल हुए हैं, जबकि 24 हजार से अधिक मौतें हुई हैं, जो कि अत्यंत दुखद है। इसे हर हाल में न्यूनतम करना होगा।

'सुरक्षा समिति की बैठक अनिवार्य रूप से हो'

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए यह आवश्यक है कि जनपद स्तर पर प्रत्येक माह एवं मंडल स्तर पर त्रैमासिक मंडलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक अनिवार्य रूप से हो। छह मंडलों अयोध्या, प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, सहारनपुर एवं आगरा मंडल में पिछले वर्ष हुई सिर्फ एक ही बैठक हुई है, जिसे बढ़ाने की आवश्यकता है।

छात्र की हत्या का आरोप, गांव में फोर्स तैनात

कछवांरोड। अमिनी गांव (मिर्जामुराद) में मुकेश प्रजापति के 15 वर्षीय पुत्र शनि की मौत के मामले में परिजनों ने उसके तीन दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया है। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दी गई है। उधर, पोस्टमार्टम के बाद मिर्जामुराद पुलिस ने परिजनों को शनिवार देर रात शव सौंपा। कछवां (मिर्जापुर) थाना क्षेत्र के बरैनी घाट पर शव का दाह-संस्कार किया गया। पिता ने इकलौते पुत्र को मुखाग्नि दी। मुकेश प्रजापति ने बताया कि 27 फरवरी को बेटा लापता था। इस दौरान उसके तीन दोस्त घर आये थे। बेटे का प्रवेश पत्र मांगकर ले गये थे। परिजनों के आरोप के क्रम में मिर्जामुराद पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट सोमवार को आएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वृंदावन की होली में मुसलमानों पर लगे पाबंदी

वृंदावन। महाकुंभ के बाद अब वृंदावन में मुस्लिम समाज के दुकान लगाने और होली समारोह में शामिल होने पर पाबंदी की मांग उठी है। सीएम योगी को भेजे गए पत्र में हिंदूवादी संगठन ने कहा है कि ब्रज क्षेत्र में होली पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगाई जाए। महाकुंभ के बाद अब वृंदावन में मुस्लिम समाज के दुकान लगाने और होली समारोह में शामिल होने पर पाबंदी की मांग उठी है। सीएम योगी

को भेजे गए पत्र में हिंदूवादी संगठन ने कहा है कि ब्रज क्षेत्र में होली पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगाई जाए। साथ ही हिंदूवादी नेताओं ने वृंदावन में दुकान लगाने को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों के सामने एक शर्त भी रखी है।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में रविवार को 24 कैरेट सोना आज 86,620 रुपये से लेकर 86,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार करता रहा। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 79,400 रुपये से लेकर 79,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज कमजोरी दर्ज की गई है, जिसे कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 97,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,550 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,620

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 86,620 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,400 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 86,770 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,770 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 86,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

'प्रौद्योगिकी के सही इस्तेमाल से काम के घंटे कम करने संभव'

नई दिल्ली। केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने कहा है कि प्रौद्योगिकी का सही तरीके से इस्तेमाल करके काम के घंटे कम किए जा सकते हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्य में उत्पादकता अधिक है। मंत्री की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब कर्मचारियों के काम के घंटों को लेकर बहस जारी है। गौतलब है कि केरल में लगभग नौ साल से सत्ता में रही वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार राज्य को निवेश गंतव्य के रूप में पेश करने के लिए हरसंभव कोशिश कर रही है। कृत्रिम मेधा (एआई) सहित प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण को अपनाने के चलन के बीच राजीव ने कहा कि कोई भी नहीं बता सकता कि भविष्य में क्या होगा, लेकिन काम के घंटे कम करने की कोशिश होनी चाहिए, न कि बढ़ाने की।

एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज ने 700 करोड़ के आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए

नई दिल्ली। शिक्षा और मूल्यांकन मार्केट पर केंद्रित खंड एसएएएस (सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस) कंपनी एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये 700 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास दस्तावेजों का दाखिल किया है। दस्तावेजों के मसौदे (डीआरएचपी) के अनुसार, कर्नाटक स्थित कंपनी का प्रस्तावित आईपीओ 210 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों के नए निर्गम और प्रवर्तकों- पेदांता टेक्नोलॉजीज और धनंजय सुधन्वा द्वारा 490 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी आईपीओ-पूर्व दौर में 270 करोड़ रुपये तक जुटाने पर विचार कर सकती है। शुक्रवार को दाखिल किए गए दस्तावेज में कंपनी ने कहा, 'अगर आईपीओ-पूर्व नियोजन किया जाता है, तो आईपीओ-पूर्व नियोजन से जुटाई गई राशि को नई पेशकश और/या बिक्री पेशकश (ओएफएस) हिस्से से घटा दिया जाएगा।' कंपनी ने नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग भूमि की खरीद और नए भवन के निर्माण तथा मैसूर में अपनी मौजूदा सुविधा के उन्नयन, आईटी बुनियादी ढांचे के उन्नयन के वित्तपोषण और सामान्य कंपनी कामकाज के लिए करने का प्रस्ताव किया है। एक्सेलसॉफ्ट की पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में परिचालन आय 198.3 करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 12.75 करोड़ रुपये रहा था।

जियो और जेप्टो के साथ जल्द आएंगे 5 IPO

नई दिल्ली। 2024 में रिकॉर्ड तोड़ कमाई और प्रमुख लिस्टिंग के बाद, निवेशक अब 2025 में आने वाले हाई-प्रोफाइल IPO का इंतजार कर रहे हैं। इस वर्ष की शुरुआत से IPO गतिविधि थोड़ी धीमी रही, लेकिन कुछ प्रमुख कंपनियों के बाजार में आने से निवेशकों की उम्मीदें फिर से बढ़ गई हैं। टाटा

समूह की गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवा सहायक कंपनी टाटा कैपिटल जल्द ही अपना IPO ला सकती है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इसका आकार लगभग 15,000 करोड़ रुपए हो सकता है। यह IPO नए शेयरों के निर्गम और बिक्री के लिए प्रस्ताव (OFS) का मिश्रण होगा। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के नियमों का पालन करने के लिए टाटा कैपिटल की स्टॉक एक्सचेंज में लिस्टिंग आवश्यक है।

नॉर्दर्न कोलफील्ड्स की 24,000 करोड़ की पुनर्वास परियोजना जल्द शुरू होगी

कोलकाता। कोल इंडिया की इकाई एनसीएल जल्द ही मध्य प्रदेश के सिंगरौली में मोरवा कस्बे को स्थानांतरित करने के लिए अपनी 24,000 करोड़ रुपये की पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आर एंड आर) परियोजना शुरू करेगी। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। 'सिंगरौली पुनरुद्धार' परियोजना के तहत इस पुनर्वास से 927 हेक्टेयर में फैले कस्बे से करीब 50,000

लोगों और 22,500 घरों को स्थानांतरित किया जाएगा। सिंगरौली में करीब 60 करोड़ टन खनन योग्य कोयला है। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) बी साईराम ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'यह एक बहुत बड़ी परियोजना है जिसकी अनुमानित लागत 24,000 करोड़ रुपये है। हम लाभ और दस्तावेजी आवश्यकताओं में छूट के संबंध में सभी चार निवासी संघों के साथ बातचीत के अंतिम चरण में हैं। अच्छी बात यह है कि लोग स्थानांतरित होने के लिए सहमत हो गए हैं।' उन्होंने कहा कि कस्बे का स्थानांतरण इसलिए जरूरी था क्योंकि एनसीएल की जयंत कोयला खदान का विस्तार हो रहा है और अगले दो वर्षों में इसके आवासीय क्षेत्र के 500 मीटर के दायरे में आने की उम्मीद है, जिससे खनन कार्य में बाधा आएगी।

विराट कोहली ने एक और उपलब्धि अपने नाम की

300 वनडे मैच खेलने वाले सातवें भारतीय खिलाड़ी बने

एजेंसी । दुबई

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मुकाबले में उतरते ही वनडे में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। कोहली का यह वनडे करियर का 300वां मुकाबला है। इस तरह वह भारत के लिए 300 वनडे मुकाबले खेलने वाले सातवें खिलाड़ी बन गए हैं।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम रविवार को अपना आखिरी ग्रुप मैच न्यूजीलैंड के खिलाफ खेल रही है। मैच में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया है। भारतीय टीम बल्लेबाजी कर रही है। यह मैच पूर्व कप्तान एवं स्टार बल्लेबाज विराट कोहली के लिए काफी खास है। यह मैच कोहली के करियर का 300वां वनडे मुकाबला है। वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, महेंद्र सिंह धोनी जैसे दिग्गजों के क्लब में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने करियर में इतने या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं।

2008 में श्रीलंका के खिलाफ किया था पदार्पण

विराट कोहली ने वर्ष 2008 में श्रीलंका के खिलाफ वनडे फॉर्मेट में पदार्पण किया था। तब से इस प्रारूप में उनका प्रदर्शन शानदार रहा है। इस मैच से पहले कोहली ने 299 वनडे मुकाबले में 58 .20 की औसत से 14 हजार 85 रन बनाए हैं। वनडे में कोहली के नाम 51 शतक और 73 अर्धशतक दर्ज हैं।

बीसीसीआई ने दी बधाई

कोहली को 300वां वनडे मैच खेलने पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बधाई दी है। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट में लिखा कि विराट कोहली को उनके 300वें वनडे मैच के लिए बधाई।

दिग्गजों की सूची में शामिल

विराट कोहली 300 वनडे मुकाबले खेलने वाले सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले भारत के छह खिलाड़ियों ने 300 या इससे ज्यादा वनडे मैच खेले हैं। इनमें शीर्ष पर पूर्व भारतीय महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर हैं। उन्होंने 463 वनडे मैच खेले हैं। दूसरे नंबर पर महेंद्र सिंह धोनी हैं, जिन्होंने 347 वनडे मैच खेले हैं। राहुल द्रविड़ ने 340, मोहम्मद अजहरुद्दीन 334, सौरव गांगुली 308 और युवराज सिंह ने 301 वनडे मैच खेले हैं। अब इस खास सूची में कोहली का नाम भी जुड़ गया है।

विदर्भ ने तीसरी बार जीता रणजी ट्रॉफी का खिताब

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

विदर्भ ने रणजी ट्रॉफी 2024-2025 का खिताब जीत लिया है। विदर्भ और केरल के बीच नागपुर के विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला गया फाइनल मुकाबला ड्रॉ रहा। ऐसे में पहली पारी की बढ़त के आधार पर विदर्भ की टीम चैंपियन बनी। मैच में विदर्भ की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 379 रन बनाए थे। इसके जवाब में केरल की पहली पारी 342 रन पर समाप्त हुई। इससे विदर्भ को पहली पारी के आधार पर 37 रन की बढ़त मिली। फिर दूसरी पारी में विदर्भ की टीम ने मैच के पांचवे दिन एवं अंतिम दिन तक 9 विकेट के नुकसान पर 375 रन बनाए। इसके बाद दोनों टीमों ने ड्रॉ पर सहमति जताई।

विदर्भ ने तीसरी बार जीता रणजी ट्रॉफी का खिताबविदर्भ की टीम ने तीसरी बार रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता है। इससे पहले टीम 2017-18 और 2018-19 में रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनी थी। वहीं टीम 2023-24 में उपविजेता रही थी। केरल की टीम पहली बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन उसके चैंपियन बनने का सपना टूट गया। विदर्भ की पहली पारीविदर्भ की टीम ने पहली पारी में 123.1 ओवर बल्लेबाजी करते हुए 379 रन बनाए थे। टीम के लिए पहली पारी में सबसे ज्यादा रन दानिश मालेवार ने बनाए। उन्होंने 285 गेंद खेलते हुए 15 चौके और तीन छक्कों की मदद से 153 रन की बेहतरीन पारी खेली। करुण नायर ने 188 गेंदों में 86 रनों की पारी खेली। इनके अलावा नचिकेत भूते 32 रन, यश ठाकुर 25 रन, कप्तान अक्षय वाडकर 23 रन और ध्रुव शोरे ने 16 रन का योगदान दिया। केरल की ओर से एमडी निधीश और ईडन एप्पल ने 3-3 विकेट अपने नाम किए। एन बेसिल ने दो और जलज सक्सेना ने एक विकेट लिया।

केरल की पहली पारीकेरल की टीम ने अपनी पहली पारी में 125 ओवर बल्लेबाजी करते हुए 342 रन बनाए। टीम के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान सचिन बेबी ने बनाए। उन्होंने 235 गेंदों का सामना करते हुए 98 रन बनाए।

2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत': सेबेस्टियन को

एजेंसी । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष पद के दावेदार सेबेस्टियन को का मानना है कि 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत का दावा 'मजबूत' है लेकिन कई अन्य देशों के इस दौड़ में शामिल होने से प्रतिस्पर्धा कठिन होगी। भारत ने आईओसी के भावी मेजबान आयोग को 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए पहले ही आशय पत्र सौंप दिया है जो वैश्विक खेल की शीर्ष संस्था के साथ महीनों की अनौपचारिक बातचीत के बाद एक महत्वाकांक्षी योजना में पहला ठोस कदम है। को ने एक विशेष साक्षात्कार में कहा,

'मेरी पृष्ठभूमि को देखते हुए मेरे यह कहने से आपको हैरानी नहीं होगी कि मैं बहुत खुश हूं कि भारत वैश्विक खेल और विशेष रूप से ओलंपिक आंदोलन के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यह सुनकर बहुत खुशी हुई।' उन्होंने कहा, 'पर यह बहुत प्रतिस्पर्धी होगा। क्योंकि इसमें सिर्फ एक ही बोलीदाता नहीं होगा, लेकिन भारत इसे बहुत मजबूत दावा बना सकता है।' पोलैंड, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कतर, हंगरी, तुर्कीये, मैक्सिको और मिस्र उन अन्य देशों में शामिल हैं जिन्होंने 2036 ओलंपिक की मेजबानी की इच्छा व्यक्त की है। 2036 खेलों के मेजबान देश का 2026 से पहले पता नहीं चलेगा। लेकिन यह निश्चित है कि नए आईओसी प्रमुख के 20 मार्च के चुनाव के विजेता की अध्यक्षता के दौरान मेजबान का चयन किया जाएगा।आईओसी अध्यक्ष के रूप में चुनाव लड़ने वाले सात उम्मीदवारों में उन्हें सबसे आगे माना जा रहा है। 68 वर्षीय को दो बार ओलंपिक 1500 मीटर के स्वर्ण पदक विजेता हैं। उन्होंने भारत को सलाह देते हुए कहा कि अगर उसे 2036 ओलंपिक की मेजबानी का अधिकार नहीं मिलता है तो उसे ओलंपिक आयोजित करने की अपनी महत्वाकांक्षा को खत्म नहीं करना चाहिए।

को ने कहा, 'बहुत से शहरों ने बोली लगाई और लेकिन उनकी बोली स्वीकार नहीं हुई। दिलचस्प बात यह है कि जब लंदन ने 2005 में (2012 चरण के लिए) बोली हासिल की थी, तो उसने पेरिस को हराया था। हम सभी अभी पेरिस ओलंपिक खेलों (2024) में गए थे।' को अभी विश्व एथलेटिक्स का नेतृत्व कर रहे हैं, उन्होंने कहा, 'रियो उन शहरों में से एक था जो 2012 की बोली के लिए शुरुआती मूल्यांकन से आगे नहीं बढ़ पाया था। और ब्रिटेन के तुरंत बाद उनके पास 2016 में बोली थी।'

IPL से पहले इकाना स्टेडियम को 28 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस

एजेंसी । लखनऊ

लखनऊ नगर निगम ने इकाना स्टेडियम को 28.42 करोड़ का प्रॉपर्टी टैक्स देने के लिए नोटिस जारी किया है। यह नोटिस महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के इस महीने होने वाले मैचों और अप्रैल में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैचों से पहले जारी किया गया है, जिससे इन खेल आयोजनों पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

मैच पर छाए संकट के बादल

रिपोर्ट के मुताबिक स्टेडियम प्रशासन ने इस नोटिस को 'अनुचित' करार देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर राहत की मांग करने की योजना बनाई है। अतिरिक्त नगर आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के अनुसार, नगर निगम के जोन-4 ने शनिवार को यह नोटिस जारी किया। जारी किए गए नोटिस में 1 दिसंबर 2020 से बकाया 5.45 करोड़ की राशि और 22.97 करोड़ का बाकी बकाया शामिल है।

स्टेडियम प्रशासन का विरोध

स्टेडियम के निदेशक उदय सिन्हा ने इस नोटिस को 'नियमों के खिलाफ' बताते हुए कहा कि वो जल्द ही मुख्यमंत्री से मिलकर न्याय की मांग करेंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि लखनऊ नगर निगम के नियमों के अनुसार सभी प्रकार के स्टेडियमों को संपत्ति कर से छूट मिलनी चाहिए, फिर इकाना स्टेडियम पर इतनी बड़ी कर देनदारी क्यों लगाई गई? उन्होंने यह भी कहा कि नोटिस में भुगतान की कोई समयसीमा नहीं दी गई है, जिससे असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सिन्हा ने उम्मीद जताई कि यह मामला आईपीएल मैचों को प्रभावित किए बिना जल्द ही सुलझा लिया जाएगा।

स्टेडियम पर क्यों लगाया गया प्रॉपर्टी टैक्स?

पंकज श्रीवास्तव के अनुसार, इकाना स्टेडियम में आईपीएल और अन्य पेशेवर खेलों के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं, जिनमें टिकट बिक्री होती है। इसी आधार पर संपत्ति कर लगाया गया है। फिलहाल, केवल संपत्ति कर ही वसूला जा रहा है, वाटर टैक्स और सीवर शुल्क को लेकर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इकाना स्टेडियम आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स का घरेलू मैदान है।

हर फिल्म के साथ कुछ नया सीखने की कोशिश करती हूं: भूमि पेडनेकर

@लोकेश चंद्रा

साल 2015 में फिल्म 'दम लगाके हईशा' से अपने करिअर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर 'टॉयलेट : एक प्रेम कथा', 'पति-पत्नी और वो', 'बधाई दो' समेत कई फिल्मों में काम कर चुकी है। अब उनकी फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' आई है, जिसमें वे एक पत्नी का किरदार निभा रही हैं। अपनी कई सारी फिल्मों में पत्नी की भूमिका निभा चुकीं एक्ट्रेस भूमि ने करिअर, अपनी आगामी फिल्म और अपने सामाजिक कार्य समेत अन्य विषयों पर खुलकर चर्चा की।

- **प्रश्न: अपने करिअर में आपने कई सारी फिल्में की हैं। क्या आपको फिल्म रिलीज से पहले नर्वस महसूस होता है?**

उत्तर: जी बिलकुल, क्योंकि एक एक्टर के लिए दर्शकों की स्वीकृति सबसे ज्यादा मायने रखती है। मैं अपनी बात करूं तो मैं हमेशा यही प्रार्थना करती हूं कि दर्शक मेरे काम को पसंद करें और उसे प्यार दे, इसलिए कहीं न कहीं हर फिल्म की रिलीज से पहले इस बात की चिंता तो होती है कि दर्शक इसे स्वीकार करेंगे या नहीं।

- **प्रश्न: कई सारी फिल्मों में आपने मां का किरदार निभाया है। कभी मन में आया कि निर्देशक-निर्माता अब आपको इसी प्रकार के रोल्स में कास्ट करना चाहते हैं?**

उत्तर: मैंने कई सारी फिल्मों में पत्नी का किरदार बेशक निभाया है, लेकिन केवल उसे 'पत्नी का किरदार' इस टैग से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। मेरे द्वारा निभाई गई 'पत्नी' के हर किरदार, उनका बैकग्राउंड और उनकी कहानी बेहद अलग रहे हैं। शादी से ज्यादा पेचीदा कोई रिश्ता होता ही नहीं है। ऐसे में ऐसे किरदारों के अलग-अलग शे होते हैं और इन अलग-अलग शे का हिस्सा बनने का मुझे मौका मिला है। मेरे लिए ये बेहद खुशी की बात है और जब तक मेरे पास ऐसे रोल्स आते हैं, मेरा केवल इतना प्रयास रहता है कि मैं उनमें उम्दा काम करती रहूं। मुझे टाइपकास्ट होने का बिलकुल भय नहीं।

- **प्रश्न: फिल्म इंडस्ट्री में करीब 10 साल हो गए हैं। अब तक का यहां का अनुभव कैसा रहा और क्या सीख मिली?**

उत्तर: जीवन में सबका अपना अलग सफर रहा है। जब मैंने यहां अपने करिअर की शुरुआत की थी, मेरे पास इतने लोग या इतना अनुभव नहीं था, जिसके कारण मेरा सही मार्गदर्शन हो सके। जब आपकी कुछ फिल्में हिट हो जाती हैं तो आपके इर्द-गिर्द बहुत सारे लोग आ जाते हैं। आपके काम और जीवन को लेकर लोग अक्सर कोई न कोई राय बना लेते हैं। लेकिन मैंने लोगों की ओपिनियन को अब सीरियसली लेना ही बंद कर दिया है और मानों उसे ब्लॉक कर दिया है। जो लोग मेरे जीवन में महत्व रखते हैं, मैं केवल उनकी बातों पर गौर करती हूं और उसकी कद्र करती हूं। हम सेलिब्रिटी होने के नाते अक्सर लोगों की नजरों में होते हैं और इसलिए हमें अपना हृदय मजबूत रखकर चलना होता है। आज सोशल मीडिया के जमाने में आपकी कोई भी बात गलत ढंग से ली जा सकती है और किसी के पास इतना समय नहीं कि वो बात की असलियत की जांच पड़ताल कर सके। फिल्म एक जरिया है, जिससे हम अपना अच्छा काम लोगों के बीच लाकर उनसे जुड़ सकते हैं।

- **प्रश्न: आप फिल्मों के साथ ही सामाजिक कार्यों से भी जुड़ी रहती हैं, जहां आप पर्यावरण सुरक्षा से लेकर हर तरह का काम करती रहती हैं। इसके लिए समय कैसे मैनेज करती हैं?**

उत्तर: वो मेरी असली पर्सनैलिटी है, क्योंकि मुझे पर्यावरण से प्रेम है। एक एक्टर बनने से पहले भी मैं पर्यावरण सुरक्षा के लिए काम करती रहती थी। अब एक एक्टर बनने के बाद मुझे वो प्लेटफॉर्म मिला है, जहां मैं बड़े पैमाने पर लोगों से जुड़कर उन्हें एनवायरनमेंट प्रोटेक्शन को लेकर जागरूक कर सकती हूं। मुझे इस समाज और इस देश ने बहुत कुछ दिया है और ये मेरा तरीका है उसके प्रति आभार व्यक्त करने का। क्योंकि जितनी सेवा कर पाती हूं उससे 10 गुना ज्यादा मुझे वापस मिलता है।

- **प्रश्न: ये दूसरी बार है जब आप अर्जुन कपूर के साथ काम करती नजर आ रही है। इसका अनुभव कैसा रहा?**

उत्तर: फिल्म पर काम करने का हमारा अनुभव बेहद यादगार रहा। मैं अर्जुन को अपने करिअर के उस वक्त से जानती हूं, जब मैं यशराज में असिस्टेंट कास्टिंग डायरेक्टर थी। उस वक्त अर्जुन 'इश्कजादे' में काम कर रहे थे। उसके बाद जब वे पॉपुलर हुए और एक स्टार बन गए, तब भी वे जमीन से जुड़े रहे। मैं उन्हें अब करीब 13 साल से जानती हूं। वे बहुत ही सपोर्टिव व फ्रेंडली को-स्टार रहे हैं। वे अपने साथी कलाकारों को ही नहीं, बल्कि सेट पर मौजूद हर किसी की इज्जत करते हैं, जो कि उनसे सीखने योग्य चीज है।

चौथी बार जमेगी बाप-बेटे की जोड़ी

बॉर्डर 2 के बाद वरुण-डेविड धवन लेकर आ रहे हैं एक और फिल्म

वरुण धवन ने बॉलीवुड में अपना काफी सक्सेसफुल करियर बना लिया है, उनका फैन फॉलोइंग भी काफी ज्यादा है। हाल ही में एक्टर अपने मोस्ट अवेटेड फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग में बिजी हैं। अभी वरुण फिल्म के एक्सटेंडेड शेड्यूल पर काम कर रहे थे। इस फिल्म के बाद ही एक्टर अपने पिता डेविड धवन के साथ एक बार फिर एक रोमांटिक प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाने वाले हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म का टाइटल डिसाइड नहीं किया गया है।

साल 1997 में 'बॉर्डर' फिल्म आई थी, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था। अब जे पी दत्ता उसके सीक्वल पार्ट पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ जैसे एक्टर्स शामिल हैं। फिल्म में शामिल एक्टर वरुण धवन की बात करें, तो वो अब इस फिल्म के अगले शेड्यूल को फिल्माने की तैयारी में लगे हुए हैं, जो कि उत्तराखंड में शूट होगी। इस फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद वरुण साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ एक रोमांटिक फिल्म में नजर आने वाले हैं।

चौथी बार साथ काम करने वाले हैं

डेविड धवन की डायरेक्शन में बनने वाली ये फिल्म वरुण धवन के साथ उनकी चौथी फिल्म होगी। इससे पहले दोनों ने 'मैं तेरा हीरो' (2014), 'जुड़वा 2' (2017) और 'कुली नंबर 1' (2020) में साथ काम किया है। उनकी चौथी अपकमिंग फिल्म के जरिए श्रीलीला बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म में मृणाल ठाकुर और मनीष पॉल भी शामिल हैं। इस फिल्म की शूटिंग मुंबई, गोवा के साथ ही साथ विदेश में भी होगी, जिसमें लंदन और यूके जैसी जगहें शामिल हैं।

इंटरनेशनल लोकेशन पर शूटिंग

फिल्म से जुड़े एक सोर्स ने बताया कि टीम लंदन में एक बड़े लेवल पर शूट करने वाली हैं, जिसमें कई फेमस जगहें शामिल होंगी। इतना ही नहीं इन्हीं जगहों पर फिल्म में होने वाला एक डांस नंबर भी शूट किया जाएगा। हालांकि, डेविड धवन की फिल्मों की बात की जाए, तो उसमें अक्सर रोमांस, कॉमेडी के साथ-साथ इंटरनेशनल जगहों की खूबसूरत भी देखने को मिलती है। इस फिल्म की शूटिंग इस साल मई से शुरू की जा सकती है।

फिल्म 'बागी-4' के पोस्टर में टाइगर श्रॉफ का दमदार लुक आया सामने

अभिनेता टाइगर श्रॉफ 2 मार्च को अपना 35वां जन्मदिन मना रहे हैं। हाल ही में वह रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम अगेन में नजर आए थे और अब जल्द ही वह बागी-4 में अपने जबरदस्त एक्शन अवतार में लौटने वाले हैं। अपने जन्मदिन के खास मौके पर टाइगर ने बागी-4 से अपनी एक झलक फैंस के साथ शेयर की है, जिससे फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है। इस नए पोस्टर में टाइगर का इंटेंस और दमदार लुक देखने को मिल रहा है। यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टाइगर श्रॉफ ने अपना पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'जिस फ्रैंचाइजी ने मुझे पहचान दी और एक एक्शन हीरो के रूप में खुद को साबित करने का मौका दिया... अब वह मेरी पहचान बदल रही है। इस बार यह वैसा नहीं है, लेकिन मुझे उम्मीद है कि आप लोग इसे उसी तरह अपनाएंगे, जैसे आपने 8 साल पहले किया था।' निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने भी सोशल मीडिया पर इस पोस्टर को शेयर किया, जिससे फैंस के बीच फिल्म को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है।

फिल्म के जबरदस्त पोस्टर में टाइगर श्रॉफ का दमदार लुक देखने को मिल रहा है। उनके माथे से खून बह रहा है, आंखों में गुस्से की लपटें हैं, और वह मुंह में सिगरेट दबाए खड़े हैं। उनकी तीखी नजरें ऐसी हैं, मानो वह अपने दुश्मनों को चीरने के लिए तैयार हैं। टाइगर के इस अवतार को देखकर अर्जुन कपूर समेत कई बॉलीवुड सितारों ने उन्हें बधाई दी है। प्रशंसकों में भी फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'ये तो ब्लॉकबस्टर होगी!' तो किसी ने इसे 'बवाल पोस्टर' कहा।

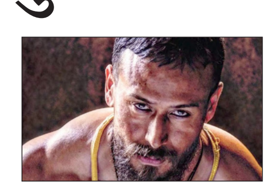

'बागी-4' के निर्देशन की जिम्मेदारी ए. हर्ष ने संभाली है, जो भजरंगी और वेधा जैसी कन्नड़ फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं। इस बार टाइगर श्रॉफ के साथ सोनम बाजवा और संजय दत्त भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। खास बात यह है कि संजय दत्त इस फिल्म में एक खतरनाक विलेन की भूमिका निभाने वाले हैं। बागी फ्रैंचाइजी की शुरुआत 2016 में हुई थी, इसके बाद 2018 में बागी-2 और 2020 में बागी 3 आई थी। तीनों ही फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था, और अब 'बागी-4' से भी ऐसी ही उम्मीदें लगाई जा रही हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

पुलिसवाले बनकर अपहरण करने वाली गैंग चढी पुलिस के हत्थे

जयपुर। शिप्रापथ थाना पुलिस ने फर्जी साइबर पुलिसकर्मी बनकर लोगों को ठगने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने गैंग के सरगना सुशील उर्फ काशीराम मीणा सहित तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान पुलिस को इनके ऑफिस, घर और कार से फर्जी इनकम टैक्स अधिकारी, जीएसटी अधिकारी, नेशनल एंटी करप्शन समूह, के अधिकारी के आई कार्ड मिले हैं। तीनों बदमाशों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया हैं। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि शिप्रापथ थाना पुलिस ने फर्जी साइबर पुलिसकर्मी बनकर लोगों को ठगने वाले बामनवास सवाई माधोपुर निवासी सुशील कुमार (27) पुत्र मेघराज मीणा , आलोक कुमार (27) पुत्र आत्माराम मीणा निवासी बोढा मोहल्ला, कॉलोनी बामनवास सवाई माधोपुर और धीरज कुमार मीणा (23) पुत्र बनवारी लाल मीणा को गिरफ्तार किया है।

सिंगल बताकर 3 बच्चों के बाप ने रचाई दूसरी शादी

बांका। बांका जिले से शादी का एक अजीबोगरीब माला सामने आया है। दरअसल तीन बच्चों के पिता ने खुद को सिंगल बताकर दूसरी शादी कर ली। दो साल तक ये राज किसी तरह से छिपा रहा लेकिन जब खुलासा हुआ तो परिवार में बवाल हो गया। युवती ने पति पर धोखा देने का आरोप लगाकर थाने में लिखित शिकायत पत्र दिया है। वहीं आरोपी युवक ने आरोपी से इनकार किया है। जानकारी के मुताबिक, बाकां जिले के शंभूगंज थाना के किरणपुर गांव का है। एक युवक पर उसकी पत्नी ने छूट बोलकर शादी करने का आरोप लगाया है। युवक पर उसकी दूसरी बीबी ने आरोप लगाते हुए कहा कि राजेश कुमार ने मेरे साथ धोखा किया है। शादी के वक्त राजेश के खुद को कुंवारा बताया था। वहीं उसने कहा कि राजेश की शादी 7 साल पहले मुंगेर जिले के रतनपुर गांव की एक महिला से हुई थी। राजेश कुमार की शादी ममता कुमारी के साथ 7 साल पहले हुई थी, उसके दो बेटे और एक बेटी भी है। राजेश ने शादी से पहले और बाद में भी इस बात को छिपाए रखा।

दिल्ली के हर क्षेत्र में विकास और मोदी की गारंटी पूरा करना हमारी प्राथमिकता : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के हर क्षेत्र में विकास और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी पूरी करना हमारी प्राथमिकता है। रेखा गुप्ता यहां दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में दिल्ली सरकार के मंत्रियों के स्वागत एवं अभिनन्दन कार्यक्रम में बोल रही थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, रविंद्र इंद्राज सिंह, सांसद मनोज तिवारी और पूर्वांचल मोर्चा अध्यक्ष संतोष ओझा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की जनता और विशेष कर पूर्वांचल के कार्यकर्ता और मतदाताओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि अब बारी दिल्ली सरकार की है। अब भाजपा सरकार अपने किए हुए हर एक वादा को अगले पांच साल में पूरा करके दिखाएगी।

चमोली ग्लेशियर हादसा

60 घंटे चला रेस्क्यू ऑपरेशन

8 की मौत, सेना ने बचाईं 46 जिंदगियां

एजेंसी । चमोली

उत्तराखंड के माणा में ग्लेशियर टूटने से हिमस्खलन में दबे लोगों के बचाने के लिए 60 घंटे से चला रेस्क्यू ऑपरेशन रविवार की शाम को समाप्त हो गया। इस हादसे में आठ मजदूरों की जान चली गई, जबकि 46 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। राहत एवं बचाव कार्य में सेना, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सहित कई एजेंसियों के 200 से अधिक लोग लगातार बचाव कार्य में जुटे हुए थे। रविवार की शाम को ग्लेशियर में दब कर फंसे एक मृत श्रमिक को निकाला गया। उसके बाद ऑपरेशन पूरा होने का ऐलान किया गया। बता दें कि माणा में श्रमिक निर्माण कार्य में जुटे हुए थे। उसी समय अचानक ऊपर से ग्लेशियर का पहाड़ उन पर टूट पड़ा और इससे कई मजदूर उसमें दब गए। सेना की ओर से पहले कहा गया था कि कुल 55 श्रमिक दब गए थे, लेकिन बाद में दबने वाले श्रमिकों की संख्या 54 बताई गई।

रेस्क्यू ऑपरेशन में थर्मल इमेजिंग तकनीक का भी हुआ इस्तेमाल

अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए हेलीकॉप्टर, खोजी कुत्तों और थर्मल इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया। पहले दो दिनों तक खराब मौसम के बीच बचाव अभियान करीब 60 घंटे तक चला। हालांकि, रविवार को मौसम काफी हद तक साफ रहा। सेंट्रल कमांड के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता और उत्तर भारत के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल डीजी मिश्रा बचाव अभियान की निगरानी के लिए हिमस्खलन स्थल पर मौजूद रहे ।इससे पहले रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बचाव अभियान की जानकारी लेने के लिए उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का दौरा किया।

आखिरी लापता मजदूर देहरादून का है रहने वाला

भारी बर्फबारी, अत्यधिक ठंड (दिन में भी -12 डिग्री सेल्सियस से -15 डिग्री सेल्सियस) और चुनौतीपूर्ण इलाके के बावजूद, बचाव दल ने खोजी कुत्तों, हाथ में पकड़े जाने वाले थर्मल इमेजर और उन्नत बचाव तकनीकों का उपयोग करके लोगों की जान बचाने के लिए अथक प्रयास किया। मृत पाया गया आखिरी लापता मजदूर देहरादून के क्लेमेंट टाउन इलाके का 43 वर्षीय अरविंद कुमार सिंह था। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को जिन अन्य लोगों के शव निकाले गए, उनकी पहचान उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जिले के रुद्रपुर के अनिल कुमार (21), उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के अशोक (28) और हिमाचल प्रदेश के ऊना के हरमेश के रूप में हुई है। शवों को हेलीकॉप्टर से ज्योतिर्मठ लाया गया, जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पोस्टमार्टम किया जा रहा है।

60 घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन

इस घटना की सूचना मिलते ही पूरा प्रशासन हरकत आया और बचाव कार्य शुरू किया गया। शुरू में रास्ते बाधित होने और बारिश के कारण राहत कार्य में दिक्कत आई, लेकिन बाद में आधुनिक उपकरणों की सहायता से रेस्क्यू ऑपरेशन तेज किया गया। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि भारतीय सेना और एनडीआरएफ के समन्वय में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के नेतृत्व में चमोली के माना में तीन दिवसीय उच्च जोखिम वाला बचाव अभियान सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

हिमानी नरवाल केस

जांच के लिए SIT गठित, अंतिम संस्कार से पहले गिरफ्तारी की मांग

एजेंसी । रोहतक

रोहतक जिले में सूटकेस से मिले कांग्रेस महिला कार्यकर्ता हिमानी नरवाल के शव के बाद सियासी हलचल तेज हो गई है। हिमानी की मां ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा से फोन पर बात के बाद कहा कि जब तक हत्यारे गिरफ्तार नहीं होते तब तक न शव लेंगे और ना ही अंतिम संस्कार होगा। इस बीच हरियाणा पुलिस ने हिमानी की हत्या के मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया है। पुलिस ने हिमानी नरवाल की हत्या के मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। हिमाना का शव कल शनिवार को रोहतक में एक बस स्टैंड के पास एक सूटकेस में भरा हुआ मिला था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि रोहतक पुलिस की 4 टीमें पहले से ही घटना के पीछे के अपराधियों की तलाश कर रही हैं। मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है। 22 साल की हिमानी रोहतक के विजय नगर में रहती थी।

दोषियों को पकड़े बगैर दाह संस्कार नहीं : मां

हिमानी की मां सविता रानी ने कहा, 'उन्होंने (भूपेंद्र सिंह हुड्डा) मुझे आश्वासन दिया है कि इस मामले में न्याय मिलेगा और 100 फीसदी न्याय मिलेगा। जब तक दोषियों को पकड़ा नहीं जाएगा तब तक हम दाह संस्कार नहीं करेंगे ना ही शव लेंगे। उसके कुछ जेवर जो वो पहनती थी वो भी नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि जो लास्ट चैट हिमानी के फोन से हुआ वो उसके किए मैसेज नहीं हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, 'हरियाणा में अपराध, खासकर महिलाओं के खिलाफ अपराध, बढ़ते जा रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है।' इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि हिमानी के परिवार ने आरोप लगाया है कि उनकी पार्टी के कुछ नेता थोड़े समय में ही उनके राजनीतिक उत्थान से जलन रखते थे।

हरियाणा में खराब हो रही कानून-व्यवस्था : हुड्डा

साथ ही कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए पूर्व सीएम हुड्डा ने कहा, 'हिमानी की हत्या के बाद एक बार फिर राज्य की कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कुछ समय पहले में मुख्यमंत्री के गृहनगर नारायणगढ़ में भी बसपा से जुड़े एक नेता की हत्या कर दी गई। पिछले साल बहादुरगढ़ में इंडियन नेशनल लोकदल (INLD) के प्रदेश अध्यक्ष की हत्या कर दी गई थी और हांसी में एक JJP नेता की हत्या कर दी गई थी। यही नहीं राज्य में 6 से अधिक विधायकों को फिरौती की धमकियां मिल चुकी हैं।' इस मामले पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा, 'इस प्रकार की हत्या दुखद है। अपराधी कोई भी हो उसे सजा मिलनी चाहिए, और उसे फांसी होनी चाहिए।

बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना : AAP सांसद संजय

कांग्रेस विधायक भरत भूषण बत्रा ने भी हिमानी के परिवार से मुलाकात की है। बत्रा ने कहा, 'मैं कल से ही परिवार के संपर्क में हूं। जिन लोगों ने यह अपराध किया है, उन्हें जल्द से जल्द पकड़ा जाना चाहिए। अगर पुलिस चाहे तो लीड लेकर उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर सकती है। इस मसले पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा कि हम इस मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे। कांग्रेस परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे लोगों से पता चला है कि पुलिस ने इस मामले में SIT का गठन किया है।'

दादरा नगर हवेली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन

नीतू विश्वकर्मा । दानह

दादरा नगर हवेली में 7 मार्च 2025 को चौथी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन होने जा रहा है। इसे लेकर जनता में काफी उत्साहजनक माहौल है।प्रधानमंत्री का आगमन विकास के रूप में देखा जाता है। प्रदेश में विशाल नमो मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होने जा रहा है। यह अस्पताल प्रदेश और आस-पास के राज्यों के लिए एक वरदान साबित होगा। यह आधुनिक सुख-सुविधाओं से पूर्ण, बेहतर इलाज वाला अस्पताल होगा, आने जाने के लिए आसान संपर्क, रोड बेहतर बनाया जा रहा है। गुजरात और महाराष्ट्र क्षेत्र से अनेकों रोगी इलाज करवाने यहां आते हैं। यहां पर हजारों कंपनियां होने की वज़ह

से कंपनियों में कार्यरत कर्मचारी और उनके परिवार के लिए कम कीमत में बेहतर इलाज होगा। अस्पताल में मरीजों के परिवार को रुकने के लिए ए.सी. युक्त रूम, खाने के लिए बेहतर कैंटीन होगी। महिला दिवस के अवसर पर दादरा नगर हवेली में प्रधानमंत्री के आने को लेकर यह चर्चा है कि जरूर महिलाओं को विशेष उपहार मिल सकता है। चारों तरफ जनता प्रधानमंत्री के स्वागत में जुट गई हैं। इस अवसर पर गर्मी को देखते हुए पानी,शौचालय, पंडाल,पंखा, कूलर एवं पार्किंग की व्यवस्था प्रशासन की तरफ से की गई है। जिला पंचायत, चुने हुए प्रतिनिधि, सामाजिक संस्था, उद्योगपति और जनता सभी प्रधानमंत्री के आगमन पर स्वागत में जुट गए है।

प्रधानमंत्री का इस छोटे से प्रदेश में 4 बार आना प्रदेश के प्रशासक को जाता है। पिछले आठ वर्षों में बेहतर रोड, गांव-गांव तक चौड़ी सड़कें, कॉलेज,आधुनिक स्मार्ट पाठशाला, स्कूल, पॉलिटेक्निक कोलेज, मेडिकल कोलेज, नर्सिंग कोलेज जैसे अनेक विकास का काम हुआ है।

'मुसलमान और ईसाई से नहीं, लेफ्ट लिबरल लोगों से है हिन्दुओं को खतरा: हिमंत बिस्वा सरमा

एजेंसी । कोलकाता

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हिंदुओं को मुसलमान और ईसाई से नहीं, बल्कि लेफ्ट लिबरल से खतरा है। हिमंत ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा, 'कुछ लोगों का भाषण जब मैं सुनता हूं तो वो समझते हैं कि जब से हमने संविधान को स्वीकार किया तब से भारत वर्ष की शुरुआत हुई, पर ऐसा बिलकुल भी नहीं है। भारत एक सभ्यता है जो

5000 वर्ष पुरानी है। औरंगजेब जिसने प्रण किया था कि वो हिन्दू धर्म को खत्म करेगा, हिन्दू धर्म को खत्म नहीं कर पाया। लेकिन खुद खत्म हो गया। अगर राहुल गांधी और ममता बनर्जी सोचते हैं कि हिंदू खत्म हो जाएगा तो मैं तो कहूंगा आप खत्म हो जाएंगे हिन्दू धर्म कभी खत्म नहीं होगा। धीरे-धीरे लेफ्ट और लिबरल लोगों ने इस देश को घेर लिया था, फिर ऐसे ही लोगों को पद्मश्री मिली जो खासकर हिंदुओं के खिलाफ बोलती थी 214 तक ऐसा लगा कि देश अब उबर नहीं पाएगा। इतने स्कैम हुए हिंदुओं को कटघरे में खड़ा किया गया और कहा गया कि हिंदू मत बोलो सेकुलर बोलो और देश के प्रधानमंत्री ने यहां तक बोला कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार माइनॉरिटी का होगा, लेकिन यदा-यदा ही धर्मस्य और हमारे पास मोदी आए।

बंगाल में बनाए जा रहे हैं फर्जी मतदाता पहचान पत्र

ममता के आरोप पर चुनाव आयोग का जवाब

एजेंसी । पश्चिम बंगाल

भारतीय चुनाव आयोग ने रविवार को स्पष्ट किया कि दो मतदाता पहचान पत्र पर एक ही एपिक नंबर फर्जी मतदाताओं का संकेत नहीं है। चुनाव आयोग ने बताया कि यह दोहराव मतदाता डेटाबेस को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर स्थानांतरित करने से पहले अपनाई गई, विकेन्द्रीकृत, मैनुअल प्रणाली के कारण हुआ था। हालांकि, चुनाव निकाय ने आश्वासन दिया कि सभी मतदाताओं को विशिष्ट ईपीआईसी नंबर आवंटित करके इन दोहरावों को ठीक किया जाएगा। बता दें कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के ईपीआईसी नंबर दोहराव के आरोपों के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा अगले साल के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य की मतदाता सूची में फर्जी मतदाताओं को शामिल करने के लिए चुनाव निकाय के साथ मिलीभगत कर रही है।

ममता ने आरोप लगाया था कि मेरे पास सभी जिलों से सबूत हैं कि हरियाणा और गुजरात के लोगों के नाम पश्चिम बंगाल के निवासियों के साथ एक ही ईपीआईसी (चुनाव फोटो पहचान पत्र) संख्या के तहत है। इसी तरह महाराष्ट्र और दिल्ली में भाजपा ने जीत हासिल की। उन्होंने कहा था किअब वे पश्चिम बंगाल को निशाना बना रहे हैं। हम इसका कड़ा जवाब देंगे। उन्होंने कहा था कि यह स्पष्ट है कि भाजपा किस तरह चुनाव आयोग के आशीर्वाद से मतदाता सूची से छेड़छाड़ कर रही है।

ममता का उल्लेख किए बिना, चुनाव आयोग के स्पष्टीकरण में कहा गया कि उसने सोशल मीडिया पोस्ट और मीडिया रिपोर्टों पर ध्यान दिया है, जिसमें विभिन्न राज्यों के लोगों के डुप्लिकेट EPIC नंबरों की ओर इशारा किया गया है।

अपने बयान में, चुनाव निकाय ने कहा, 'इस संबंध में, यह स्पष्ट किया जाता है कि कुछ मतदाताओं के EPIC नंबर समान हो सकते हैं, लेकिन जनसांख्यिकीय विवरण, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र और मतदान केंद्र सहित अन्य विवरण समान EPIC नंबर वाले मतदाताओं के लिए अलग-अलग हैं। EPIC नंबर चाहे जो भी हो, कोई भी मतदाता अपने राज्य/केंद्र शासित प्रदेश के अपने संबंधित निर्वाचन क्षेत्र में अपने निर्दिष्ट मतदान केंद्र पर ही वोट डाल सकता है, जहां वे मतदाता सूची में नामांकित हैं और कहीं और नहीं।'

इसने आगे बताया कि राज्यों के मतदाता सूची डेटाबेस को ERONET प्लेटफ़ॉर्म पर स्थानांतरित करने से पहले इस्तेमाल की जाने वाली विकेंद्रीकृत और मैन्युअल प्रणाली के कारण दोहराव हुआ था।

ERONET 2 .0 प्लेटफॉर्म किया जाएगा अपडेट

चुनाव आयोग ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप कुछ राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के CEO कार्यालय एक ही EPIC अल्फ़ान्यूमेरिक श्रृंखला का उपयोग कर रहे थे और विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं को डुप्लिकेट EPIC नंबर आवंटित किए जाने की संभावना बनी हुई थी। चुनाव आयोग ने कहा कि हालांकि, किसी भी आशंका को दूर करने के लिए, आयोग ने पंजीकृत मतदाताओं को अद्वितीय EPIC नंबर आवंटित करने को सुनिश्चित करने का निर्णय लिया है। डुप्लिकेट EPIC नंबर के किसी भी मामले को एक अद्वितीय EPIC नंबर आवंटित करके ठीक किया जाएगा।

पंजाब में BJP कभी बहुमत से सत्ता हासिल नहीं कर सकती: सरबजीत सिंह खालसा

एजेंसी । बठिंडा

पंजाब के बठिंडा में फरीदकोट के सांसद सरबजीत सिंह खालसा और डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह ने आज यानी रविवार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान सरबजीत सिंह खालसा ने कहा कि उनके और सांसद अमृतपाल सिंह द्वारा पिछले दिनों बनाई गई नई पार्टी अकाली दल वारिस पंजाब को लेकर लोग काफी उत्साहित हैं।

उन्होंने कहा कि अगर आम आदमी पार्टी की बात करें तो 2022 में लोगों के पास कोई विकल्प नहीं था, न तो पंजाब की जनता कांग्रेस को चुनना चाहती थी और न ही अकाली दल पार्टी को चुनना चाहती थी, अन्यथा आम आदमी पार्टी का कोई योगदान नहीं है। सांसद ने कहा कि ऐसे नेताओं को जब सत्ता मिलती है तो राज्य के हालात ऐसे हो जाते हैं जैसे आज हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब

में बीजेपी कभी भी बहुमत से सत्ता हासिल नहीं कर सकती।

वहीं असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह के पिता तरसेम सिंह ने कहा कि अकाली दल वारिस पार्टी का गठन सिखों के मुद्दों को उठाने और पंजाब की स्थितियों को सुधारने के लिए किया गया था, जिस पर पार्टी के नेता और कार्यकर्ता जिला स्तर पर मेहनत से काम कर रहे हैं। लोगों का पार्टी को समर्थन मिल रहा है।

‘एसजीपीसी चुनाव की तैयारी कर रही पार्टी’

उन्होंने कहा कि पूर्व जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह को नियुक्त किया जाए। यह निर्णय देश-विदेश से संगत को एकत्रित करके लिया जा सकता है। तरसेम सिंह ने बताया कि एसजीपीसी चुनाव की तैयारी अकाली दल वारिस पंजाब पार्टी की तरफ से भी की जा रही है। अपने बेटे और सांसद अमृतपाल को लेकर उन्होंने कहा कि सरकार उसे जेल से बाहर नहीं आने दे रही है। उनकी तरफ से अदालत का दरवाजा खटखटाकर कानूनी सहारा लिया जा रहा है क्योंकि अमृतपाल सिंह के जेल में होने के कारण सभी सेवाएं बंद हैं। इससे पहले अमृतपाल सिंह ने सदन की कार्यवाही में शामिल होने के लिए कोर्ट का रुक किया था।

महाकुंभ में बिछड़े 54 हजार से अधिक लोग

प्रशासन ने परिजनों से मिलाया

एजेंसी । प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान 45 दिनों तक उमड़े श्रद्धालुओं के जनसैलाब के बीच अपनों से बिछड़े कुल 54,375 लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, महाकुंभ मेले के दौरान देश के कोने-कोने से और विदेश से आए 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई।

इस दौरान अपने परिवार से बिछड़े 54,375 लोगों का पुनर्मिलन कराया गया। बिछड़ने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक थी। बयान के अनुसार, इस बार महाकुंभ में भूले-भटके लोगों को जल्द ही उनके परिवार से मिलाने

के लिए प्रदेश सरकार ने डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की स्थापना की थी।

महाकुंभ में इन केंद्रों के माध्यम से 35,000 से अधिक श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने का कार्य किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अमृत स्नान पर्व मकर संक्रांति के दौरान लापता 598 श्रद्धालुओं, मौनी अमावस्या के दौरान लापता 8,725 श्रद्धालुओं और बसंत पंचमी के दौरान लापता 864 श्रद्धालुओं को डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की मदद से उनके परिजनों से मिलवाया गया।

10 डिजिटल खोया-पाया केंद्र स्थापित

इसमें बताया गया है कि अन्य स्नान पर्वों और सामान्य दिनों में खोए हुए 24,896 लोगों का भी उनके परिवारों के साथ पुनर्मिलन कराया गया और इस तरह डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की मदद से परिजनों से मिलवाए गए भूले-भटके लोगों की संख्या 35,083 रही। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर पूरे महाकुंभनगर में 10 डिजिटल खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए थे, जिनमें अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित चेहरा पहचान प्रणाली, मशीन लर्निंग और बहुभाषीय समर्थन जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी।